अध्याय I

केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उदयमों के वित्तीय निष्पादन का सारांश

1.1 प्रस्तावना

यह प्रतिवेदन सरकारी कम्पनियों, सांविधिक निगमों और सरकार नियंत्रित अन्य कम्पनियों के वित्तीय निष्पादन प्रस्तुत करता है। इस प्रतिवेदन मे केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम (सीपीएसई) में उन सरकारी कम्पनियों को शामिल किया गया है जिनमे केंद्र सरकार की धारिता 51 *प्रतिशत* या अधिक है तथा ऐसी सरकारी कम्पनियों की सहायक कम्पनियां शामिल है। संसद द्वारा अधिनियमित संविधियों के अंतर्गत स्थापित संविधिक निगमों और केन्द्र सरकार द्वारा प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से स्वामित्व वाली या नियंत्रित अन्य कंपनियों को भी सीपीएसई के रूप में श्रेणीबद्ध किया गया है।

कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 2(45) में एक सरकारी कम्पनी की परिभाषा ऐसी कम्पनी के रूप में दी गयी है जिसमें प्रदत्त शेयर पूंजी का कम से कम 51 *प्रतिशत* केन्द्र सरकार, अथवा किसी राज्य सरकार या सरकारों या आंशिक रूप से केन्द्र सरकार द्वारा तथा आंशिक रूप से एक या अधिक राज्य सरकारों द्वारा धारित है और इसमें वह कम्पनी भी शामिल है जो सरकारी कम्पनी की सहायक कम्पनी है।

सरकारी कंपनी

एक कम्पनी जिसमें प्रदत्त शेयर पूंजी का कम से कम 51 प्रतिशत केन्द्र सरकार, अथवा किसी एक या अधिक राज्य सरकारों या आंशिक रूप से केन्द्र सरकार द्वारा तथा आंशिक रूप से केन्द्र सरकार और राज्य सरकार (रों) द्वारा धारित है तथा इसमें सरकारी कम्पनी की सहायक कम्पनी सम्मिलित होती है।

इसके अतिरिक्त, केंद्रीय सरकार या किसी राज्य सरकार या सरकारो या केंद्रीय सरकार द्वारा आंशिक रूप से और एक या अधिक राज्य सरकारों द्वारा आंशिक रूप से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से स्वामित्व या नियंत्रण वाली किसी अन्य कंपनी[1] को इस प्रतिवेदन में सरकार नियंत्रित अन्य कम्पनियों के रूप में दर्शाया गया है।

---

[1] ***गजट अधिसूचना दिनांक 4 सितम्बर 2014 के माध्यम से कॉपरिट मामलों के मंत्रालय द्वारा जारी किए गए कंपनियों का (कठिनाइयों का निवारण) सातवां आदेश 2014***

सार्वजनिक उद्यम विभाग (डीपीई) ने अपने द्वारा प्रकाशित सर्वेक्षण में बताया (फरवरी 2020) कि सांविधिक निगमों के अलावा सीपीएसई वह सरकारी कम्पनियां है; जिनमें 50 *प्रतिशत* से अधिक शेयर केन्द्र सरकार द्वारा धारित था। इन कम्पनियों की सहायक कम्पनियों, यदि भारत में पंजीकृत है, को भी सीपीएसई के तौर पर श्रेणीबद्ध किया जाता है। इसमें विभागीय तौर पर चालित सार्वजनिक उद्यम, बैकिंग संस्थान एवं बीमा कम्पनियाँ शामिल नहीं है। भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (सीएजी) एवं डीपीई द्वारा अपनाई गई परिभाषा में अंतर को देखते हुए, सीएजी एवं डीपीई द्वारा सीपीएसई मानी गई कम्पनियों की संख्या में अंतर हो सकता है। परिणामस्वरूप, डीपीई सर्वेक्षण रिपोर्ट 2018-19 के तहत कवर किए गए सीपीएसई की संख्या 348 है, जबकि इस प्रतिवेदन में कवर किए जाने वाले सीपीएसई की संख्या 596 सीपीएसई (434 सरकारी कंपनी और संविधिक निगम तथा 162 अन्य सरकार नियंत्रित कंपनियां हैं)।

1.1.1 अधिदेश

सरकारी कम्पनियों और सरकार नियंत्रित अन्य कम्पनियों की लेखापरीक्षा भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के (कर्त्तव्य, शक्तियां तथा सेवा की शर्तें) अधिनियम, 1971 की धारा 19 के साथ पठित कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 143(5) से 143(7) के प्रावधानों तथा उनके अंतर्गत बनाए गए विनियमों के अन्तर्गत नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक द्वारा की जाती है। कम्पनी अधिनियम, 2013 के अन्तर्गत,नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक कम्पनियों के लिए सांविधिक लेखापरीक्षकों के रूप में सनदी लेखाकारों की नियुक्ति करता है और उस तरीके पर निर्देश देता है जिससे लेखाओं की लेखापरीक्षा की जानी है। इसके अतिरिक्त,नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक को अनुपूरक लेखापरीक्षा करने का अधिकार है। कुछ सांविधिक निगमों को शासित करनेवाली संविधियों में उनके लेखाओं की मात्र नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक द्वारा लेखापरीक्षा की अपेक्षा की गई है।

भारतीय रिजर्व बैंक, भारतीय निर्यात-आयात बैंक, राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक तथा राष्ट्रीय आवास बैंक को शासित करने वाले अधिनियमों में वे प्रावधान निहित हैं जिनके द्वारा केन्द्र सरकार इन संस्थानों के लेखाओं की जांच करने और उन पर रिपोर्ट करने के लिए भी नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक को लेखापरीक्षक के रूप में नियुक्त कर सकती है। 2018-19 के दौरान ऐसी कोई नियुक्ति नहीं की गई थी।

1.1.2 इस प्रतिवेदन में क्या है

इस प्रतिवेदन में केंद्र सरकारी कंपनियों तथा निगमों के वित्तीय निष्पादन की समग्र स्थिति को दर्शाया गया है।

लेखाओं के संशोधन तथा वर्ष 2018-19 (अथवा पिछले वर्षों के, जिन्हें चालू वर्ष के दौरान अन्तिम रूप दिया गया है) के लिए नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक द्वारा की गई सीपीएसई के वित्तीय विवरणों की अनुपूरक लेखापरीक्षा के परिणामस्वरूप की गई महत्वपूर्ण टिप्पणियों, का प्रभाव प्रतिवेदन में दिया गया है। इस प्रतिवेदन में सांविधिक निगमों के वित्तीय विवरणों पर नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक द्वारा जारी टिप्पणियों का प्रभाव भी निहित हैं जहां नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक ही एकमात्र लेखापरीक्षक है।

यह प्रतिवेदन कार्पोरेट अभिशासन पर भारतीय प्रतिभूमि एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) तथा डीपीई द्वारा जारी दिशानिर्देशों के सीपीएसई द्वारा पालन, तथा कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के पालन तथा कार्पोरेट सामाजिक दायित्व पर डीपीई द्वारा जारी दिशानिर्देशों, केंद्रीय सरकार तथा सीपीएसई के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) के विश्लेषण की स्थिति का पूर्ण चित्रण प्रस्तुत करता है।

1.1.3 सीपीएसई की संख्या

सरकारी कंपनियां	**480**
सांविधिक निगम	**6**
सरकार द्वारा नियंत्रित अन्य कंपनियां	**182**
कुल सीपीएसई	**668**

31 मार्च 2019 को नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के लेखापरीक्षा क्षेत्राधिकार के अंतर्गत 668 सीपीएसई थे। इनमें 480[2] सरकारी कंपनियां, 06 सांविधिक निगम[3] तथा 182 सरकार नियंत्रित अन्य कंपनियां शामिल थी। इनमें से 596 सीपीएसई का वित्तीय निष्पादन, इस प्रतिवेदन में शामिल किया गया है और इन सीपीएसई की प्रवृत्ति तालिका 1.1 में दर्शाई गई है:

---

[2] *480 सरकारी कम्पनियों में 240 स्टैंडअलोन/होल्डिंग सरकारी कम्पनियां और सरकारी कम्पनियों की 240 सहायक कम्पनियां और संयुक्त उद्यम (जेवी) शामिल है।*

[3] *भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई), केन्द्रीय भण्डारण निगम (सीडब्ल्यूसी), दामोदर घाटी निगम (डीवीसी), भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई), भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (आईडब्ल्यूएआई) तथा भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई)।*

तालिका 1.1: इस रिपोर्ट में शामिल सीपीएसई की कवरेज और प्रकृति

सीपीएसई की प्रकृति	कुल सीपीएसई की संख्या	प्रतिवेदन में शामिल सीपीएसई की संख्या				इस प्रतिवेदन में कवर नहीं किए गए सीपीएसई की संख्या
		निम्न तक लेखे			कुल	
		2018-19	2017-18	2016-17		
सरकारी कम्पनियां	480	397	22	9	428[4]	52
सांविधिक निगम	6	5	1	0	6	0
कम्पनियों/निगमों की कुल संख्या	486	402	23	9	434	52
सरकार द्वारा नियंत्रित अन्य कम्पनियां	182	151	8	3	162	20
जोड़	**668**	**553**	**31**	**12**	**596**	**72**

2018-19 के दौरान नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के लेखापरीक्षा क्षेत्र के अंतर्गत आयी/बाहर चली गई, सरकारी कम्पनियों/सरकार द्वारा नियंत्रित अन्य कम्पनियों के विवरण ***परिशिष्ट-I*** में दिए गए हैं।

इस प्रतिवेदन में 72 सीपीएसई (20 सरकार नियंत्रित अन्य कंपनियों सहित) शामिल नहीं है, जिनके लेखे तीन वर्ष या अधिक से बकाया थे या समाप्त/परिसमापनाधीन थे या प्रथम लेखे प्राप्त नहीं किए गए थे या बकाया नहीं थे। इन सीपीएसई को दो सितारों (**) के द्वारा ***परिशिष्ट-II क*** तथा ***परिशिष्ट-II ख*** में दर्शाया गया है।

इस प्रतिवेदन में शामिल सीपीएसई के वित्तीय निष्पादन का सारांश (सरकारी कंपनियां और सांविधिक निगम)	
सीपीएसई की संख्या	**486**
कवर किये गये सीपीएसई	**434**
प्रदत पूंजी (434 सीपीएसई)	**₹5,45,338 करोड़**
दीर्घावधि ऋण (434 सीपीएसई)	**₹16,46,888 करोड़**
बाज़ार पूंजीकरण (54 सूचीबद्धट्रेडेड सरकारी कंपनियाँ)	**₹14,29,111 करोड़**
निवल लाभ (247 सीपीएसई)	**₹1,77,932 करोड़**
निवल घाटा (157 सीपीएसई)	**₹37,310 करोड़**

[4] *428 सरकारी कम्पनियों में से 198 सीपीएसई में केन्द्र सरकार की प्रत्यक्ष धारिता है। शेष 230 सीपीएसई इन 198 सीपीएसई की सहायक कम्पनियां और जेवी हैं।*

शून्य लाभ/हानि (30 सीपीएसई)[5]	
घोषित किया गया लाभांश (100 सीपीएसई)	**₹ 71,857 करोड़**
कुल परिसंपत्ति (434 सीपीएसई)	**₹ 51,54,667 करोड़**
उत्पादन का मूल्य (434 सीपीएसई)	**₹ 21,67,133 करोड़**
निवल मूल्य (434 सीपीएसई)	**₹ 16,96,646 करोड़**

1.2 सरकारी कंपनियों और निगमों में निवेश

31 मार्च 2019 के अंत तक 434[6] सरकारी कंपनियों और निगमों में इक्विटी और ऋणों में निवेश की राशि, तालिका 1.2 में दिए गए है:

तालिका 1.2: सरकारी कंपनियों और निगमों में इक्विटी, निवेश और ऋण

(₹ करोड़ में)

निवेश के स्रोत	31 मार्च 2019 को			31 मार्च 2018 को		
	इक्विटी	दीर्घावधि ऋण	जोड़	इक्विटी	लंबी अवधि के ऋण	जोड़
1. केन्द्र सरकार	400909	149150	550059	360539	88451	448990
2. केन्द्र सरकारी कंपनियां/निगम	66027	34694	100721	57670	27151	84821
3. राज्य सरकारें/राज्य सरकारी कंपनियां/निगम	29846	20060	49906	29436	16176	45612
4. वित्तीय संस्थाएं और अन्य	48556	1442984	1491540	47494	1202327	1249821
कुल	**545338**	**1646888**	**2192226**	**495139**	**1334105**	**1829244**
कुल निवेश के प्रति केंद्र सरकार के निवेश का *प्रतिशत*	73.52	9.06	25.09	72.82	6.63	24.55

1.2.1 इक्विटी धारिता

2018-19 के दौरान, इस रिपोर्ट में शामिल गए 434 सीपीएसई में अंकित मूल्य पर कुल इक्विटी धारिता में ₹50,199 करोड़ की निवल वृद्धि दर्ज की गई। सीपीएसई में अंकित मूल्य

---

[5] *434 में से, 30 सीपीएसई ऐसे थे जिन्होंने 2018-19 के दौरान कोई लाभ नहीं कमाया या कोई नुकसान नहीं उठाया था क्योंकि या तो ऑपरेशन शुरू नहीं हुए थे या सरकार से आर्थिक सहायता के रूप में नुकसान/निवल व्यय का दावा किया गया था।*

[6] *486 सीपीएसई - 52 सीपीएसई जिनके लेखा तीन साल या उससे अधिक के लिए बकाया थे या विचलन/अधीन परिसमापन थे या पहले लेखा प्राप्त नहीं हुए थे या देय नहीं थे।*

पर केंद्र सरकार की इक्विटी धारिता 2018-19 के दौरान ₹40,370 करोड़[7] तक बढ़ी। ₹40,370 करोड़ की वृद्धि, 41 सीपीएसई में ₹44,880 करोड़ के अंकित मूल्य वाले शेयरों के जारी करने और 24 सीपीएसई में ₹4,510 करोड़ के अंकित मूल्य वाले शेयरों का विनिवेश और पुन: खरीद का निवल परिणाम थी।

वर्ष 2018-19 के दौरान केंद्र सरकार द्वारा ₹44,880 करोड़ की नयी इक्विटी धारिता में से, ₹43,314 की इक्विटी धारिता इक्विटी के रूप में थी, जिसके कारण सम्बन्धित सीपीएसई में नकद प्रवाह हुआ और ₹1,566 करोड़[8] का बोनस शंयर जारी करने और ऋण को इक्विट में अंतरित करने के रूप में थे जिसमें संबंधित सीपीएसई को नकद प्रवाह अन्तर्ग्रस्त नहीं था। सीपीएसई में नकद प्रवाह वाले ₹43,314 करोड़ की नई इक्विटी धारिता के प्रयोजन की लेखापरीक्षा में समीक्षा में दर्शाया गया कि ₹29,775 करोड़ का इन्फयूजन दो सीपीएसई[9] में पूंजीगत और राजस्व व्यय दोनों के लिए था, ₹13,116 करोड़ 25 सीपीएसई में व्यय की पूंजीगतमदों के लिए थे, ₹300 करोड़ एक सीपीएसई में (इंडिया पोस्ट पेमेंटस बैंक लिपिटेड) व्यय की राजस्व मदों के लिए थे और ₹123 करोड़ 03 सीपीएसई[10] में सामाजिक क्षेत्र की योजनाओं पर व्यय के लिए थे।

सरकारी कंपनियों और निगमों में 31 मार्च 2019 को समाप्त तीन वर्षों के दौरान केंद्र सरकार और अन्य द्वारा इक्विटी में धारिता को चार्ट-I में दर्शाया गया है।

---

[7] इस लेखापरीक्षा प्रतिवेदन में 32 के अनंतिम आंकड़ों को उनके अंतिम ऑडिट किए गए लेखाओं के आंकड़ों के आधार पर शामिल किया गया है क्योंकि रिपोर्ट तैयार करने के लिए कट-ऑफ की तारीख यानी 30 सितंबर 2019 से पहले वर्ष 2018-19 के लेखा प्राप्त नहीं हुए थे।

[8] एनटीपीसी लिमिटेड, जनरल इंश्योरेंस कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया, द न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड, कंटेनर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, एमएमटीसी लिमिटेड, ऑयल इंडिया लिमिटेड, एमएसटीसी लिमिटेड, इंडियन रेलवे केटरिंग एंड टूरिजम कारपोरेशन लिमिटेड, ईडीसीआईएल (ईडिया) लिमिटेड, राष्ट्रीय राजमार्ग एवं अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड, स्कूटर्स इंडिया लिमिटेड।

[9] भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, इंडिया इंटरनेशनल कनवेंशन एंड एक्सीबिशन सेंटर लिमिटेड।

[10] राष्ट्रीय विकलांग वित्त और विकास निगम, नेशनल सफाई कर्मचारी फाइनेंस एंड डेवलपमेंट कारपोरेशन, राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति वित्त और विकास निगम।

चार्ट I: सरकारी कंपनियों और निगमों में इक्विटी में धारिता

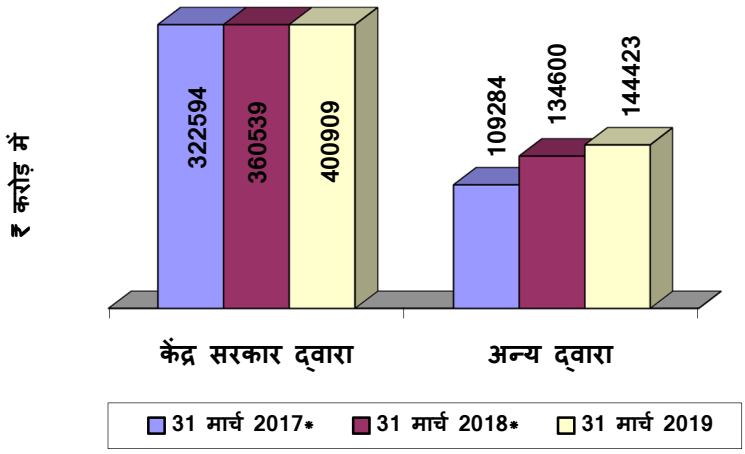

*(*2018-19 के दौरान, पिछले वर्ष के आंकड़े अपडेट किए गए क्योंकि उस वर्ष के खाते प्राप्त हुए थे)*

सीपीएसई की प्रदत्त पूंजी में 2018-19 के दौरान केंद्र सरकार द्वारा किए गए महत्वपूर्ण निवेश (₹2,000 करोड़ से अधिक का निवेश) का विवरण तालिका 1.3 में दिया गया है:

तालिका 1.3: केंद्र सरकार द्वारा किए गए महत्वपूर्ण निवेश

(₹ करोड़ में)

सीपीएसई के नाम	मंत्रालय का नाम	राशि
	सांविधिक निगम	
भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण	सड़क परिवहन और राजमार्ग	29,075
		सरकारी कंपनियाँ
डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉर्पोरेशन लिमिटेड	रेलवे	3,110
इंडियन रेलवे फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड	रेलवे	2,854
उच्च शिक्षा वित्तपोषण एजेंसी	मानव संसाधन विकास	2,263

1.2.2 सरकारी कंपनियों और निगमों को दिया गया ऋण

1.2.2.1 31 मार्च 2019 को बकाया दीर्घावधि ऋण की गणना

31 मार्च 2019 को 434 सरकारी कम्पनियों और निगमों में से 180 सीपीएसई में सभी स्रोतों से बकाया कुल दीर्घावधि ऋण ₹16,46,888 करोड़ था। 2018-19 के दौरान, सरकारी कंपनियों और निगमों के दीर्घावधि ऋणों ने ₹3,12,783 करोड़ की वृद्धि दर्ज की। 31 मार्च 2019 को 180 सीपीएसई के कुल ऋणों में से केंद्र सरकार से ऋण ₹1,49,150 करोड़ था जिसमें से ₹64,739 का ऋण 35 सीपीएसई में 2018-19 से संबंधित था।

दीर्घावधि ऋणों ने इन 35 सीपीएसई में से 11 सीपीएसई[11] में 2017-18 और 2018-19 के दौरान वृद्धि दर्ज की। 11 सीपीएसई में से आठ सीपीएसई[12] को दोनों वर्षों के दौरान ऋण दिए गए। सात सीपीएसई को चालू परियोजनाओं के कार्यानवयन के लिए निधियन किया गया जब कि एक सीपीएसई को (पूर्वोत्तर हस्तशील्प और हथकरघा विकास निगम लिमिटेड) कार्यचालन पूंजीगत आवश्यकताओं और प्रशासनिक खर्चों के प्रति कर्ज दिया गया। शेष तीन सीपीएसई के मामले में दीर्घावधि ऋणों में वृद्धि ऋण के वास्तविक संवितरण के आधार पर नहीं थी परन्तु पुराने ऋणों पर ब्याज के कारण थी।

लेखापरीक्षा में पाया गया कि 11 सीपीएसई में से 10 ने 2018-19 के दौरान ऋण की मूलराशि /ऋण पर ब्याज प्रदत्त नहीं किया है जबकि एक सीपीएसई (न्यूक्लियर पावर कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड) ने 2018-19 के दौरान ₹719 करोड़ का ऋण प्रदत्त किया।

सरकारी कंपनियों और निगमों के बकाया दीर्घकालिक ऋणों का वर्षवार विवरण चार्ट II में दर्शाया गया है।

चार्ट II: सरकारी कंपनियों और निगमों में दीर्घावधि ऋण बकाया

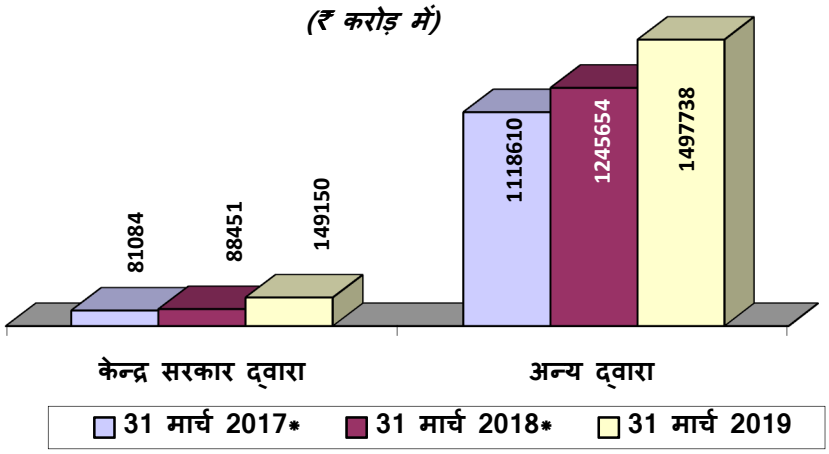

(*पिछले वर्षों के आंकड़े 2018-19 के दौरान अपडेट किए गए जब उस वर्ष के लेखा प्राप्त हुए थे)

---

[11] *भारतीय नाभिकीय विद्युत निगम लिमिटेड चेन्नई मैट्रो रेल लिमिटेड, नेशनल बाइसिकल कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, डेडीकेटेड फ्रेट कारिडोर कारपोरेशन लिमिटेड, दिल्ली मेट्रो रेल निगम लिमिटेड, दामोदर घाटी निगम, कोलकाता मेट्रो रेल निगम लिमिटेड, पूर्वेत्तर हस्तशिल्प और हथकरघा विकास निगम लिमिटेड, एनएचपीसी लिमिटेड, नागपुर मेट्रो रेल निगम, न्यूक्लियर पावर कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड*

[12] *डेडीकेटेड फ्रेट कारिडोर कारपोरेशन लिमिटेड, दिल्ली मेट्रो रेल निगम लिमिटेड, दामोदर घाटी निगम, कोलकाता मेंट्रो रेल निगम लिमिटेड, पूर्वोत्तर हसशील्प और हथकरघा विकास निगम लिमिटेड, एचएचपीसी लिमिटेड, नागपुर मेट्रो रेल निगम, न्यूक्लियर पावर कारेपोरेंशन ऑफ इंडिया लिमिटेड।*

434 सीपीएसई में से, 254 सीपीएसई (एक वैधानिक निगम यानी केंद्रीय भंडारण निगम सहित) में 31 मार्च 2019 तक कोई दीर्घकालिक ऋण नहीं था।

1.2.2.2 ऋण देनदारियों को पूरा करने के लिए परिसंपत्ति की पर्याप्तता

कुल परिसंपत्तियों के प्रति कुल ऋण का अनुपात यह निर्धारित करने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला एक तरीका है कि क्या कंपनी विलायक रह सकती है। विलायक माना जाने के लिए, एक इकाई की परिसंपत्ति का मूल्य उसके ऋण/कर्ज़ की राशि से अधिक होना चाहिए। 180 सीपीएसई में कुल परिसंपत्तियों के मूल्य पर दीर्घावधि ऋणों का कवरेज, जिनके पास 31 मार्च 2019 तक बकाया ऋण था, तालिका 1.4 में दिया गया है।

तालिका 1.4: कुल परिसंपत्ति के साथ दीर्घावधि ऋण का कवरेज

	सकारात्मक कवरेज				नकारात्मक कवरेज			
	सीपएसई की संख्या	दीर्घावधि के ऋण (₹ करोड़ में)	परिसंपत्ति (₹ करोड़ में)	ऋण के प्रतिपरिसंपत्ति का *प्रतिशत*	सीपीएसई की संख्या	दीर्घावधि ऋण (₹ करोड़ में)	परिसंपत्ति (₹ करोड़ में)	ऋण के प्रति परिसंपत्ति का *प्रतिशत*
संविधिक निगम	5	2,10,713	7,37,079	349.80				
सूचीबद्ध कम्पनियां	38	9,59,841	23,63,406	246.22	1	238	88	36.97
असूचीबद्ध कंपनियाँ	124	4,73,779	10,56,185	222.93	12	2,318	352	15.19
कुल	167	16,44,333	41,56,670		13	2,556	440	

180 सीपीएसई में से, 13 सीपीएसई (***परिशिष्ट-III***) के संबंध में कुल परिसंपत्ति का मूल्य बकाया ऋण से कम था।

1.2.2.3 ब्याज कवरेज

ब्याज कवरेज अनुपात (आईसीआर), का उपयोग किसी कंपनी की बकाया ऋण पर ब्याज का भुगतान करने की क्षमता निर्धारित करने के लिए किया जाता है और इसकी गणना ब्याज और करों से पूर्व कंपनी की आय (ईबीआईटी) को उसी अवधि के ब्याज खर्चों से विभाजित करके की जाती है।अनुपात कम होने पर, कंपनी की ऋण पर ब्याज का भुगतान करने की क्षमता कम होती है। एक से नीचे आईसीआर होना संकेत देता था कि कंपनी ब्याज पर अपने खर्चों को पूरा करने के लिए पर्याप्त राजस्व अर्जन नहीं कर रही थी। सीपीएसई के सकारात्मक और नकारात्मक ब्याज कवरेज अनुपात का विवरण, जिसमें 2016-17 से 2018-19 की अवधि के दौरान बकाया ऋण थे, तालिका 1.5 में दिए गए हैं:

तालिका 1.5: ब्याज कवरेज अनुपात

वर्ष	ब्याज (₹ करोड़ में)	ब्याज और कर से पहले की आय (ईबीआईटी) (₹ करोड़ में)	सीपीएसई की संख्या	आईसीआर > = 1 वाले सीपीएसई की संख्या	आईसीआर < = 1 वाले सीपीएसई की संख्या
संविधिक निगम					
2016-17	10,162.66	13,388.46	5	2	3
2017-18	11,833.26	14,812.69	5	2	3
2018-19	11,680.95	13,679.76	5	2	3
सूचीबद्ध सरकारी कम्पनियाँ					
2016-17	60,935.43	1,59,564.76	38	28	10
2017-18	63,844.46	1,79,678.36	39	29	10
2018-19	69,119.80	1,78,869.17	39	31	8
असूचीबद्ध सरकारी कम्पनियाँ					
2016-17	16,212.75	30,009.27	122	59	63
2017-18	20,887.26	22,140.81	128	54	74
2018-19	19,690.95	22,395.13	136	55	81

यह देखा गया कि पिछले वर्ष की तुलना में वर्ष 2018-19 के दौरान, सूचीबद्ध सरकारी कंपनियों के मामले में एक के बराबर या इससे अधिक के आईसीआर वाले सीपीएसई की संख्या में वृद्धि हुई है। छह[13] सीपीएसई के संबंध में, दीर्घावधि ऋण पर देय ब्याज, 31 मार्च 2019 को उनकी कुल परिसंपत्ति के मूल्य से अधिक था जो इन कंपनियों में दिवालिया होने के उच्च जोखिम का संकेत देता है।

1.2.2.4 केंद्र सरकार के ऋणों पर ब्याज की बकाया अवधि वार विश्लेषण

31 मार्च 2019 तक, केंद्र सरकार द्वारा प्रदान किए गए 20 सीपीएसई के दीर्घावधि ऋणों पर, ₹3593.90 करोड़ की ब्याज की राशि बकाया थी। सीपीएसई में केंद्र सरकार के ऋणों पर बकाया ब्याज का अवधि वार विश्लेषण तालिका 1.6 में दर्शाया गया है।

[13] *भारत गोल्ड माइन्स लिमिटेड, इरकॉन शिव पुरी गण लिमिटेड, नेशनल बाइसिकल कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, टीसीआईएल बीना टोल रोड लिमिटेड, अंडमान फिशरीज लिमिटेड, टीसीआईएल एलटीआर लिमिटेड*

तालिका 1.6: केंद्र सरकार के ऋणों पर बकाया ब्याज

(₹ करोड़ में)

क्र. सं.	सीपीएसई का नाम	केंद्र सरकार के ऋणों पर बकाया ब्याज	1 वर्ष से कम के लिए बकाया केंद्र सरकार के ऋण पर ब्याज	1 - 3 वर्षों के लिए केंद्र सरकार के ऋण पर ब्याज	3 वर्षों से अधिक के लिए बकाया केंद्र सरकार के ऋणों पर ब्याज
1	भारत गोल्ड माइन्स लिमिटेड	1,435.76	63.27	125.11	1,247.38
2	नेशनल बाइसिकल कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड	541.55	0	0	541.55
3	एचएमटी मशीन टूल्स लिमिटेड	204.34	39.32	144.44	20.58
4	एनईपीए लिमिटेड	96.72	27.04	69.68	0
5	हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड	92.60	0	18.88	73.71
6	बंगाल केमिकल्स एंड फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड	62.32	1.97	20.29	40.06
7	बर्डस जूट एंड एक्सपोर्ट्स लिमिटेड	59.21	3.84	11.38	43.98
8	यूरेनियम कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड	54.34	0	0	54.34
9	आईएफसीआई फैक्टर्स लिमिटेड	42.11	0	0	42.11
10	हैवी इंजीनियरिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड	37.60	9.98	24.54	3.08
11	हुगली डॉक एंड पोर्ट इंजीनियर्स लिमिटेड	35.52	0	4.48	31.04
12	भारत पंप्स और कॉम-प्रेसर्स लिमिटेड	35.33	16.34	18.99	0
13	हिंदुस्तान कीटनाशक लिमिटेड	32.89	4.70	14.10	14.10
14	हिंदुस्तान एंटीबायोटिक्स लिमिटेड	22	11	11	0
15	हिंदुस्तान साल्ट्स लिमिटेड	19.35	3.73	0	15.62
16	उत्तर पूर्वी हस्तशिल्प और हथकरघा विकास निगम लिमिटेड	18.49	0	0	18.49
17	नागपुर मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन	15.74	12.49	3.26	0
18	सीमेंट कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड	123.85	0	0	123.85
19	एनएचपीसी लिमिटेड	61.52	27.60	31.15	2.77
20	मद्रास फर्टिलाइजर्स लिमिटेड	602.66	54.58	109.16	438.92
	कुल	**3,593.90**	**275.85**	**606.46**	**2,711.59**

1.2.3 सरकार द्वारा नियंत्रित अन्य कंपनियों में निवेश

केंद्र सरकार, राज्य सरकारों और उनके द्वारा नियंत्रित कंपनियों और निगमों द्वारा, सरकार द्वारा नियंत्रित अन्य 162[14] कंपनियों में वर्ष 2018-19 के दौरान निवेश की गई पूंजी को चार्ट III में दर्शाया गया है।

चार्ट III: सरकार द्वारा नियंत्रित अन्य कंपनियों में शेयर पूंजी की संरचना

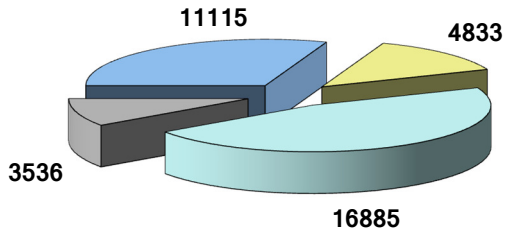

(₹ करोड़ में)

31 मार्च 2019 तक, सरकार द्वारा नियंत्रित इन अन्य कंपनियों में इक्विटी ₹36,369 करोड़ थी। सरकार द्वारा नियंत्रित अन्य कंपनियों की इक्विटी में 2018-19 में ₹1,845 करोड़ की वृद्धि हुई।

1.2.4 सरकारी कंपनियों में इक्विटी निवेश का बाजार पूंजीकरण

बाजार पूंजीकरण, उन कंपनियों के शेयरों के बाजार मूल्य का घोतक है जिनके शेयर सूचीबद्ध हैं। 31 मार्च 2019 तक, 66 सरकारी कंपनियों के शेयर जिनमें, 52 सरकारी कंपनियों के शेयर शामिल थे, जिनमें तीन[15] नई सूचीबद्ध सरकारी कंपनियां, सरकारी कंपनियों के आठ सहायक कंपनियां और छह[16] सरकारी नियंत्रित अन्य कंपनियां भारत के विभिन्न स्टॉक एक्सचेंजों में सूचीबद्ध थीं।

49 सूचीबद्ध सरकारी कंपनियों (52-3 नव सूचीबद्ध सरकारी कंपनियों) के संबंध में, 47 कंपनियों के शेयरों का कारोबार किया गया था और 2018-19 के दौरान दो[17] कंपनियों के

---

[14] *182- 20 सरकार द्वारा नियंत्रित अन्य कंपनियां जिनके लेखे तीन साल या उससे अधिक के लिए बकाया थे या निष्क्रिय/ परिसमापन के अधीन थे या पहले लेखे प्राप्त नहीं हुए थे या देय नहीं थे।*

[15] *इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड, मिश्र धातू निगम लिमिटेड, एमएसटीसी लिमिटेड।*

[16] *इंडबैंक मर्चेंट बैंकिंग सर्विसेज लिमिटेड, द बिसरा स्टोन लाइम कंपनी लिमिटेड, तमिलनाडु टेलिकम्यूनिकेशन लिमिटेड, इंडबैंक हाउसिंग लिमिटेड, द उड़ीसा मिनरल्स डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड, पीएनबी गिल्ट्स लिमिटेड।*

[17] *हिंदुस्तान केबल्स लिमिटेड और हिंदुस्तान फोटो-फिल्मस (मैन्युफैक्चरिंग) कंपनी लिमिटेड।*

शेयरों का कारोबार नहीं किया गया था। सरकारी कंपनियों की आठ सहायक कंपनियों के संबंध में, सात के शेयरों का कारोबार किया गया और ईस्टर्न इन्वेस्टमेंट लिमिटेड के शेयरों का कारोबार नहीं किया गया।

31 मार्च 2018 तक ₹16,43,345.68 करोड़ की तुलना में 31 मार्च 2019 को 54[18] कारोबार वाली सूचीबद्ध सरकारी कंपनियों (सात सहायक कंपनियों सहित) के शेयरों का कुल बाजार मूल्य ₹14,29,111.11 करोड़ (इक्विटी निवेश ₹85,041 करोड़) रहा है। शेयरों का कुल बाजार मूल्य 31 मार्च 2018 की तुलना में 31 मार्च 2019 को ₹2,14,234.57 करोड़ (13.04 *प्रतिशत*) घटकर रह गया। अधिकतम बाजार पूंजीकरण के साथ शीर्ष तीन क्षेत्रों में पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस (₹6,08,780.85 करोड़), विद्युत् (₹3,34,591.81 करोड़) और कोयला (₹1,55,577.46 करोड़) थे। रेलवे में (5.45 *प्रतिशत*) और विद्युत् (1.33 *प्रतिशत*) क्षेत्रों में ही शेयरों के बाजार मूल्य में वृद्धि देखी गई, जबकि शेयरों के बाजार मूल्य में सबसे अधिक कमी, जैव प्रौद्योगिकी क्षेत्र (60.96 *प्रतिशत*) में देखी गई, इसके बाद वित्त क्षेत्र (38.92 *प्रतिशत*) और पर्यटन क्षेत्र (38.22 *प्रतिशत*) में थी। 31 मार्च 2019 तक, 47 सूचीबद्ध सरकारी कंपनियों (सात सहायक कंपनियों को छोड़कर) के शेयरों का बाजार मूल्य ₹13,35,263.55 करोड़ था, जिसमें से केंद्र सरकार के पास मौजूद शेयरों का बाजार मूल्य ₹8,447,07.38 करोड़ था।

इस अवधि के दौरान, एस एंड पी बीएसई सूचकांक[19] 31 मार्च 2018 को 32,968.68 से 17.30 *प्रतिशत* बढ़कर 31 मार्च 2019 तक 38,672.91 हो गया। एस एंड पी बीएसई - सीपीएसई सूचकांक[20] 31 मार्च 2018 को 1,591.37 से 7.69 *प्रतिशत* घटकर 31 मार्च 2019 तक 1,468.92 हो गया।

पिछले पांच वर्षों के लिए कारोबार वाली सूचीबद्ध सीपीएसई के बाजार पूंजीकरण की प्रवृत्ति को एस एंड पी बीएसई सेंसेक्स और एस एंड पी बीएसई-सीपीएसई सूचकांक की तुलना में चार्ट-IV में दर्शाया गया है।

---

[18] ***54 = 47 सूचीबद्ध कारोबार वाली सरकारी कंपनियां + 7 सूचीबद्ध कारोबार वाली सहायक सरकारी कंपनियां***

[19] ***एस एंड पी बीएसई सेंसेक्स की गणना 30 घटक शेयरों की "मार्केट कैपिटलाइजेशन-वेटेड" कार्यप्रणाली पर की गई है, जो प्रमुख क्षेत्रों में बड़े, सुस्थापित और वित्तीय रूप से मजबूत कंपनियों का प्रतिनिधित्व करते हैं।***

[20] ***एस एंड पी बीएसई सीपीएसई सूचकांक में बीएसई पर सूचीबद्ध प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम शामिल हैं।***

चार्ट-IV: बीएसई सेंसेक्स और सीपीएसई सूचकांक की तुलना में बाजार पूंजीकरण की प्रवृत्ति

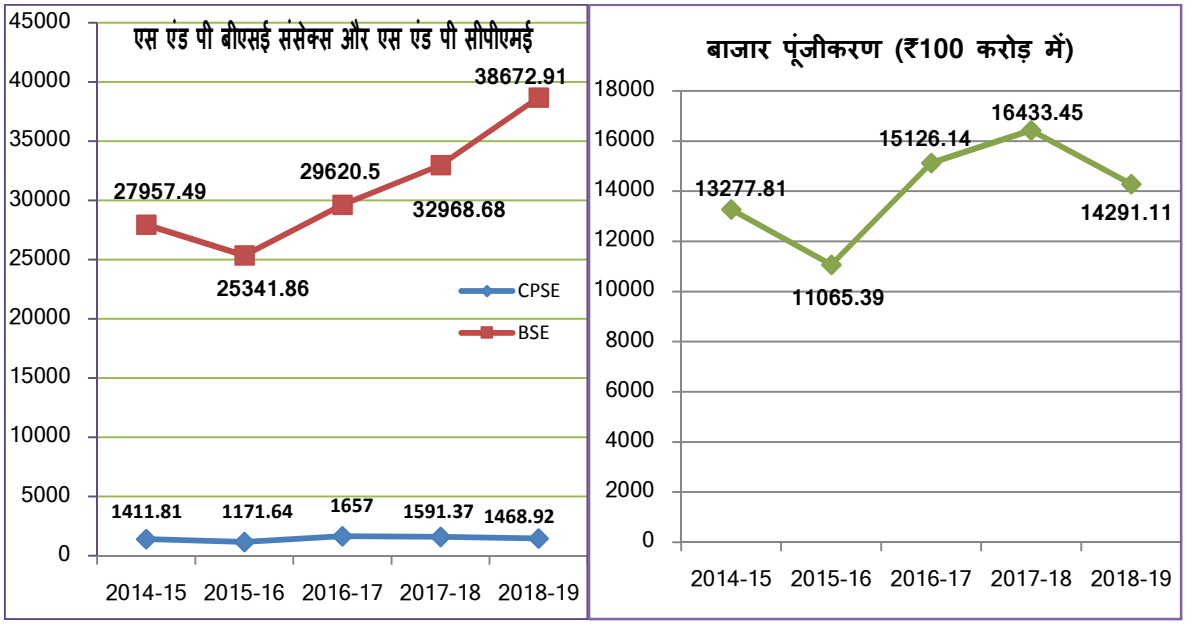

यह देखा गया कि एस एंड पी बीएसई सेंसेक्स और एस एंड पी सीपीएसई सूचकांक की तुलना में 2014-15 से 2016-17 के दौरान इन ट्रेडेड लिस्टेड सीपीएसई की बाजार पूंजीकरण की प्रवृत्ति समान थी। हालाँकि 2018-19 में, इन सीपीएसई के शेयरों का बाजार मूल्य 13.04 *प्रतिशत* (₹16,43,345.68 करोड़ से ₹14,29,111.11 करोड़ तक) घट गया, जब एस एंड पी बीएसई सेंसेक्स में 17.30 *प्रतिशत* (₹32,968.68 से ₹38,672.91) की वृद्धि हुई। हालांकि, इसी अवधि के दौरान एसएंडपी सीपीएसई सूचकांक 7.69 *प्रतिशत* (₹1,591.37 से ₹1468.92) घटा।

सात सहायक सरकारी कंपनियों के शेयरों का बाजार मूल्य, जिनके शेयरों का कारोबार 2018-19 के दौरान किया गया था, 31 मार्च 2019 तक ₹93,847.55 करोड़ थे। 31 मार्च 2018 की तुलना में 31 मार्च 2019 तक, सात सहायक सरकारी कंपनियों में शेयरों का कुल बाजार मूल्य ₹11,499.28 करोड़ कम हो गया था। 31 मार्च 2019 को, उच्चतम बाजार पूंजीकरण के साथ शीर्ष 10 सीपीएसई को तालिका 1.7 में दर्शाया गया है:

तालिका 1.7: उच्चतम बाजार पूंजीकरण के साथ सीपीएसई

(₹ करोड़ में)

क्र. सं.	सीपीएसईका नाम	बाज़ार पूंजीकरण
1	तेल और प्राकृतिक गैस निगम लिमिटेड	2,00,718.35
2	इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड	1,53,168.37
3	कोल इंडिया लिमिटेड	1,45,933.41
4	एनटीपीसी लिमिटेड	1,33,922.83
5	पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड	1,03,637.79
6	भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड	85,978.33
7	गेल (इंडिया) लिमिटेड	78,987.73
8	हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड	43,200.37
9	जनरल इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया	42,561.74
10	पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड	32,473.00

31 मार्च 2019 तक 54 सूचीबद्ध सरकारी कंपनियों में से आठ सीपीएसई के संबंध में बाजार पूंजीकरण में वृद्धि हुई थी। बाजार पूंजीकरण में वृद्धि के साथ सीपीएसई को तालिका 1.8 में दर्शाया गया है:

तालिका 1.8: 31 मार्च 2019 तक बाजार पूंजीकरण में वृद्धि के साथ सीपीएसई

(₹ करोड़ में)

क्र. सं.	सीपीएसई का नाम	31 मार्च 2018 को बाजार पूंजीकरण	31 मार्च 2019 तक बाजार पूंजीकरण	पूंजीकरण में अंतर
1	पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड	22,678.30	32 473.00	9,794.70
2	ग्रामीण विद्युतीकरण निगम लिमिटेड	24,696.35	30,186.62	5,490.27
3	गेल (इंडिया) लिमिटेड	74,101.63	78,987.73	4,886.10
4	ऑयल इंडिया लिमिटेड	16,289.65	20,099.45	3,809.80
5	पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड	1,01,414.37	1,03,637.79	2,223.42
6	कंटेनर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड	30,313.61	31,966.63	1,653.02
7	दि स्टेट ट्रेडिंग कॉरपोरेशन ऑफ़ इंडिया लिमिटेड	815.10	824.40	9.30
8	हिंदुस्तान फ्लोरोकार्बन्स लिमिटेड	20.81	30.08	9.27

1.3 सरकारी कंपनियों और निगमों से प्रतिफल

1.3.1 सरकारी कंपनियों और निगमों द्वारा अर्जित लाभ

2017-18 में 225 की तुलना में, 2018-19 में लाभ अर्जित करने वाले सीपीएसई की संख्या 247 (51 सीपीएसई शामिल किए गए और 29 सीपीएसई को छोड़ दिया गया) थी। इन 51

सीपीएसई ***(परिशिष्ट-IV)*** में से पांच सीपीएसई नए थे और उन्होंने अपने प्रचालन के प्रथम वर्ष में लाभ सूचित किया और 46 सीपीएसई ने पूर्व वर्ष में निवल हानि उठाने के बाद लाभ सूचित किया। 46 सीपीएसई में से केवल 17 ने प्रचालनात्मक आय के कारण लाभ सूचित किया। 29 सीपीएसई ***(परिशिष्ट-V)*** जिन्होंने पूर्व वर्ष में लाभ अर्जित करने के बाद हानियां उठाई, के मामले में 20 सीपीएसई ने हानि उठाई जो मुख्यतया प्रचालनात्मक खर्चों के कारण थी।

2017-18 में ₹1,65,610 करोड़ से 2018-19 में अर्जित लाभ बढ़कर ₹1,77,932 करोड़ हो गया। हालांकि, 247 सीपीएसई का रिटर्न ऑन इक्विटी (आरओई) 2018-19 में 18.58 *प्रतिशत* था, जोकि 2017-18 में 225 सीपीएसई में 19.03 *प्रतिशत* की तुलना में था। 2018-19 में सभी 434 सीपीएसई का आरओई 11.81 *प्रतिशत* था जिनमें 157 हानि वाले और 30 शून्य लाभ वाली कंपनियों शामिल थी।

2016-17 से 2018-19 की अवधि के दौरान लाभ अर्जित करने वाले सीपीएसई की संख्या को चार्ट-V में दर्शाया गया है:

चार्ट-V: लाभ कमाने वाले सीपीएसई की संख्या

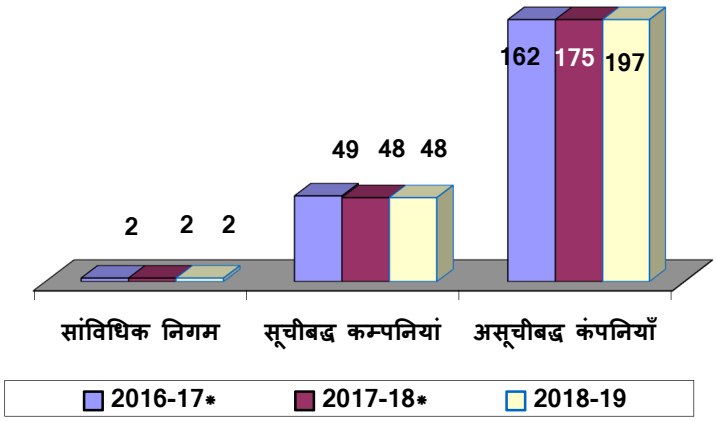

(* पिछले वर्षों के आंकड़े 2018-19 के दौरान अपडेट किए गए, जब उस वर्ष के लेखा प्राप्त हुए थे)

2018-19 के दौरान अधिकतम लाभ अर्जित करने वाले शीर्ष तीन क्षेत्रों का विवरण तालिका 1.9 में संक्षेप में प्रस्तुत किया गया है:

तालिका 1.9: शीर्ष 3 क्षेत्र जिन्होंने वर्ष 2018-19 के दौरान अधिकतम लाभ में योगदान दिया

क्षेत्र	लाभ कमाने वाले सीपीएसई की संख्या	अर्जित निवल लाभ (₹ करोड़ में)	कुल सीपीएसई लाभ के प्रति लाभ का *प्रतिशत*
पेट्रोलियम			
सूचीबद्ध सरकारी कंपनियाँ	7	65,714	36.93
असूचीबद्ध सरकारी कंपनियाँ	10	4,347	2.44
उप-जोड़ (क)	17	70,061	39.37
शक्ति			
सूचीबद्ध सरकारी कंपनियाँ	4	25,655	14.42
असूचीबद्ध सरकारी कंपनियाँ	33	5,581	3.14
उप- जोड़ (ख)	37	31,236	17.56
कोयला और लिग्नाइट			
सूचीबद्ध सरकारी कंपनियाँ	2	11,737	6.6
असूचीबद्ध सरकारी कंपनियाँ	7	16,853	9.47
उप-जोड़ (ग)	9	28,590	16.07
जोड़(क+ख+ग)	**63**	**1,29,887**	**73.00**

2018-19 के दौरान, ₹1,29,887 करोड़ का निवल लाभ सीपीएसई के कुल लाभ का 73 *प्रतिशत* 63 सीपीएसई के द्वारा योगदान दिया गया था, जो इन तीन क्षेत्रों में 2017-18 के दौरान 50 सीपीएसई के द्वारा 72.08 *प्रतिशत* योगदान की तुलना में था।

28 सीपीएसई द्वारा ₹37,895 करोड़ के शुद्ध लाभ का योगदान दिया गया था जो रक्षा,कोयला, परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष क्षेत्रों में कार्यरत था जो बाजार की प्रतिस्पर्धा के लिए खुले नहीं थे। यह 2018-19 के दौरान, सभी 247 सीपीएसई में ₹1,77,932 करोड़ के कुल लाभ का 21.29 *प्रतिशत* था। वर्ष 2018-19 में इन 28 सीपीएसई का आरओई 42.03 *प्रतिशत* था, जो प्रतिस्पर्धी माहौल में कार्य करने वाले 219 सीपीएसई में 18.56 *प्रतिशत* की तुलना में था।

वर्ष 2018-19 के दौरान ₹5,000 करोड़ से अधिक का लाभ अर्जित करने वाले सीपीएसई की सूची तालिका 1.10 में दर्शायी गई है:

तालिका 1.10: सीपीएसई की सूची, जिसने ₹5,000 करोड़ से अधिक का लाभ अर्जित किया

(₹ करोड़ में)

क्र. सं.	सीपीएसई का नाम	निवल लाभ
1	तेल और प्राकृतिक गैस निगम लिमिटेड	26,716
2	इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड	16,894
3	एनटीपीसी लिमिटेड	11,750
4	कोल इंडिया लिमिटेड	10,470
5	पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड	9,922
6	भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड	7,132
7	पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड	6,746
8	महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड	6,040
9	हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड	6,029
10	गेल (इंडिया) लिमिटेड	6,026
11	ग्रामीण विद्युतीकरण निगम लिमिटेड	5,703
कुल		**1,13,428**

यह देखा जा सकता है कि 2018-19 के दौरान इन 11 सीपीएसई ने 247 सीपीएसई द्वारा अर्जित कुल लाभ का 63.75 *प्रतिशत* योगदान दिया।

31 मार्च 2019 को समाप्त वर्ष के दौरान 162 सरकारी नियंत्रित अन्य कंपनियों में 112 कंपनियों ने ₹8,701 करोड़ का लाभ कमाया । 2018-19 में इन 112 सीपीएसई में आरओई 20.38 *प्रतिशत* था। 162 सरकारी नियंत्रित अन्य कंपनियों में आरओई 15.95 *प्रतिशत* था।

1.3.2 हानि उठाने वाले सरकारी कंपनियों और निगम

वर्ष 2018-19 के दौरान, 157 सीपीएसई ने हानियाँ उठाई। 2018-19 में, इन सीपीएसई द्वारा द्वारा उठाई गई हानि घटकर ₹ 37,310 करोड़ हो गई, जोकि 2017-18 के दौरान ₹ 41,180 करोड़ थी, जैसा कि तालिका 1.11 में दर्शाया गया है।

तालिका 1.11: 2018-19 के दौरान, हानि उठाने वाले सीपीएसई की संख्या

सूचीबद्ध/असूचीबद्ध वर्ष	हानि वाले सीपएसई की संख्या	वर्ष के लिए निवल हानि (₹ करोड़ में)	संचित हानि (₹ करोड़ में)	कुल मूल्य[21] (₹ करोड़ में)
वैधानिक निगम				
2016-17	1	907	0	12,891
2017-18	1	847	0	12,144
2018-19	1	1,115	0	11,370
सूचीबद्ध सरकारी कंपनियाँ				
2016-17	11	10,168	28,481	18,253
2017-18	12	8,292	40,433	9,146
2018-19	12	5,476	35,149	-19,133
असूचीबद्ध सरकारी कंपनियाँ				
2016-17	134	22,745	73,775	1,45,077
2017-18	140	32,041	90,835	1,33,592
2018-19	144	30,719	80,692	1,18,774
जोड़				
2016-17	146	33,820	1,02,256	1,76,221
2017-18	153	41,180	1,31,268	1,54,882
2018-19	157	37,310	1,15,841	1,11,011

157 सीपीएसई द्वारा किए गए ₹37,310 करोड़ की कुल हानि में से, 7 सीपीएसई द्वारा ₹2,075 करोड़ की हानि का योगदान दिया गया था, जो शहरी विकास और पेट्रोलियम क्षेत्रों में कार्य कार्यरत थे तथा जो बाजार की प्रतिस्पर्धा के लिए खुले नहीं थे।

वर्ष 2018-19 के दौरान, तालिका 1.12 में सूचीबद्ध सीपीएसई को ₹1,000 करोड़ से अधिक का हानि हुई।

---

[21] *नेट वर्थ का मतलब है कि शेयर पूंजी और मुक्त भंडार और अधिशेष के कुल जोड़ से संचित हानि और आस्थगित राजस्व व्यय को दर्शाना। मुक्त भंडार का मतलब है कि सभी लाभ और प्रीमियम खाता से बने भंडार, लेकिन परिसंपत्तियों के पुनर्मूल्यांकन से बनाए गए भंडार को शामिल न करें और मूल्यह्रास प्रावधान वापस लिखें।*

तालिका 1.12: सीपीएसई जो 2018-19 के दौरान ₹1,000 करोड़ से अधिक का हानि उठाती है

(₹ करोड़ में)

क्र सं	सीपएसई का नाम	शुद्ध हानि
1	भारत संचार निगम लिमिटेड	14,904
2	महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड	3,390
3	यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	1,878
4	नेशनल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	1,696
5	ओएनजीसीपेट्रो एडिशन्स लिमिटेड	1,420
6	दामोदर घाटी निगम	1,115

वर्ष 2018-19 के दौरान, सरकार द्वारा नियंत्रित अन्य 162 कंपनियों में से 39 कंपनियों को ₹1,763 करोड़ कि हानि हुई।

1.3.3 सरकारी कंपनियों में पूंजी का क्षरण

31 मार्च 2019 तक ₹1,40,307.55 करोड़ के संचित हानि के साथ 189 सीपीएसई थी। 189 सीपीएसई में से, 123 सीपीएसई को वर्ष 2018-19 में ₹13,748.56 करोड़ की हानि हुई, 66 सीपीएसई ने वर्ष 2018-19 में हानि (शून्य लाभ सहित) नहीं की, भले ही उन्हें ₹24,467 करोड़ की संचित हानि हुई हो। 189 में से 59 सीपीएसई समापन बंद परिसमापन/ रणनीतिक विनिवेश में थी।

189 सीपीएसई में से 77 का निवल मूल्य, संचित हानि से पूरी तरह से क्षय हो गया था और उनका निवल मूल्य या तो शून्य या नकारात्मक था। इन 77 सीपीएसई का निवल मूल्य, 31 मार्च 2019 तक इन सीपीएसई में ₹40,005.95 करोड़ के इक्विटी निवेश के मुकाबले (-) ₹ 83,394.28 करोड़ था। इसमें छह सूचीबद्ध कंपनियां शामिल थीं, जिनकी कुल संपत्ति ₹ 6,685.49 करोड़ रुपये के इक्विटी निवेश के मुकाबले (-) ₹ 35,860.14 करोड़ थी। 77 सीपीएसई में से, जिनकी पूंजी (शून्य या ऋणात्मक निवल मूल्य होने के नाते) समाप्त हो गई थी, 15 सीपीएसई ने वर्ष 2018-19 के दौरान, ₹ 662.45 करोड़ लाभ अर्जित किया था ***(परिशिष्ट-VI)***।

19 में से 77 सीपीएसई जिनकी पूंजी खत्म हो गई थी, 31 मार्च 2019 को बकाया सरकारी ऋण ₹4,400.59 करोड़ रुपये था। इसमें ₹1849.10 करोड़ के बकाया सरकारी ऋण वाली दो सूचीबद्ध कंपनियां शामिल थीं।

निवल मूल्य 356 सीपीएसई में से 31 के संबंध में उनकी प्रदत पूंजी के आधे से कम था, जिनकी निवल संपत्ति 31 मार्च 2019 के अंत में सकारात्मक थी, जो उनकी संभावित

वित्तीय बीमारी का संकेत है। कुल मिलाकर, सभी 434 सरकारी कंपनियों और निगमों का शुद्ध मूल्य ₹16,96,646.45 करोड़ उनकी प्रदत पूंजी के मुकाबले ₹5,45,337.74 करोड़ था।

1.3.4 सीपीएसई द्वारा लाभांश भुगतान

सरकारी कंपनियों और निगमों द्वारा अर्जित लाभ और घोषित लाभांश का विवरण तालिका 1.13 में दिया गया है:

तालिका 1.13: अर्जित लाभ और घोषित लाभांश

श्रेणी	सीपीएसई का नाम	प्रदत्त पूंजी (₹ करोड़ में)	निवल लाभ (₹ करोड़ में)	घोषित लाभांश (₹ करोड़ में)
संविधिक निगम	2	725	2,435	799
सूचीबद्ध कम्पनियां	37	76,023	1,31,212	57,652
असूचीबद्ध कंपनियाँ	61	41,754	29,767	13,406
जोड़	**100**	**1,18,502**	**1,63,414**	**71,857**

434 सरकारी कंपनियों और निगमों में से 100 सीपीएसई ऐसे थे, जिन्होंने 2018-19 में लाभांश घोषित किया। इन 100 लाभ कमाने वाले सीपीएसई के शुद्ध लाभ के *प्रतिशत* के रूप में घोषित लाभांश 2017-18 में 46.15 *प्रतिशत* से घटकर 2018-19 में 43.97 *प्रतिशत* हो गया। निरपेक्ष रूप से, सीपीएसई द्वारा 2018-19 में घोषित लाभांश में पिछले वर्ष की तुलना में, ₹1,295 करोड़ की वृद्धि हुई। चार्ट-VI में घोषित लाभांश को दर्शाया गया है जो उन सीपीएसई के अर्जित निवल लाभ और प्रदत्त पूंजी की तुलना में जिन्होंने पिछले तीन वर्षों के दौरान लाभांश घोषित किया।

चार्ट VI: अर्जित निवल लाभ और प्रदत्त पूंजी की तुलना में घोषित लाभांश (₹ करोड़ में)

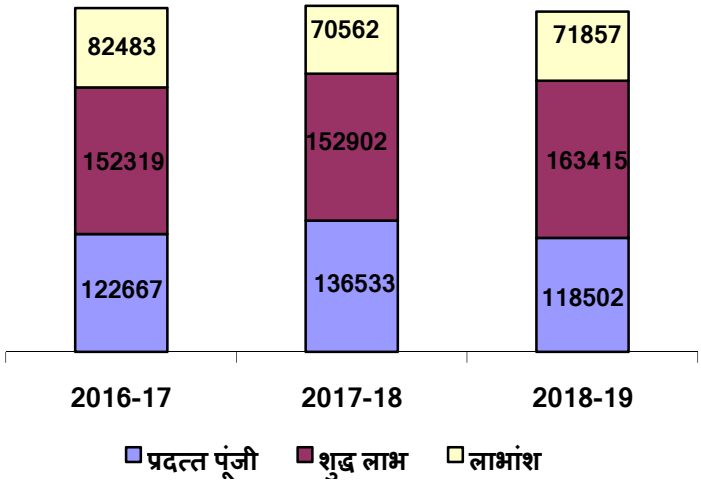

वर्ष 2018-19 के लिए 100 सीपीएसई द्वारा घोषित, ₹71,857 करोड़ के कुल लाभांश में से, केंद्र सरकार द्वारा प्राप्त/प्राप्य लाभांश ₹81,934 करोड़ के इक्विटी निवेश वाले 67[22] सीपीएसई में ₹36,715 करोड़ (घोषित कुल लाभांश का 51.09 *प्रतिशत*), 434 सीपीएसई की इक्विटी पूंजी में केंद्र सरकार द्वारा किए गए ₹4,00,909 करोड़ के कुल निवेश पर लाभांश के रूप में 2017-18 के दौरान प्रतिफल 11.71 *प्रतिशत* की तुलना में 9.16 *प्रतिशत* था। इसी तरह, वर्ष 2018-19 में, 43 सीपीएसई को अन्य सीपीएसई में इक्विटी धारिता पर ₹12,312 करोड़ की प्रदत्त पूंजी पर लाभांश के रूप में ₹16,752 करोड़ प्राप्त हुए।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अधीन 13 सीपीएसई ने ₹29,272 करोड़ की लाभांश राशि घोषित की जो कि 2018-19 में 100 सीपीएसई द्वारा घोषित ₹71,857 करोड़ के कुल लाभांश का 40.74 *प्रतिशत* थी।

मई 2016 में, निवेश और लो परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग (डीआईपीएएम) द्वारा जारी किए गए दिशानिर्देशों में यह परिकल्पना की गई थी कि प्रत्येक सीपीएसई, कर के बाद लाभ का न्यूनतम वार्षिक लाभांश का 30 *प्रतिशत* या निवल मूल्य के पांच *प्रतिशत* का भुगतान करेगा, जो भी अतिरिक्त कानूनी प्रावधानों के तहत अनुमत अधिकतम लाभांश के अधीन है। हालाँकि, 36 सीपीएसई (14 सूचीबद्ध सीपीएसई सहित) ने सरकार द्वारा निर्धारित लाभांश घोषित नहीं किया था जैसा कि ***परिशिष्ट-VII*** में दिया गया है। 2018-19 में, इस आधार पर कुल कमी ₹8,011.33 करोड़ थी।

31 मार्च 2019 को समाप्त वर्ष के दौरान, 162[23] सरकार द्वारा नियंत्रित अन्य कंपनियों में से 112 कंपनियों ने ₹8,701 करोड़ का लाभ अर्जित किया। इन 112 कंपनियों में से, 42 ने ₹1,063 करोड़ की लाभांश राशि घोषित की, जो उनकी ₹13,530 करोड़ की प्रदत पूंजी का 7.86 *प्रतिशत* थी। सरकार द्वारा नियंत्रित अन्य 42 कंपनियों के क्षेत्रवार वर्गीकरण जिसने वर्ष 2018-19 के दौरान लाभांश घोषित किया था, को तालिका 1.14 में दर्शाया गया है:

तालिका 1.14: सरकार द्वारा नियंत्रित अन्य कंपनियों द्वारा घोषित लाभांश है

सेक्टर	कंपनियों की संख्या	प्रदत्त पूंजी (₹ करोड़ में)	शुद्ध लाभ (₹ करोड़ में)	घोषित लाभांश (₹ करोड़ में)
वित्तीय सेवाएं	24	4,140	2,310	394
विद्युत्	5	5,181	1,365	246
बीमा	3	1,459	1,869	235

[22] ***67 सीपीएसई, 204 सीपीएसई (198 सरकारी कंपनियों औरनिगमों + 6 वैधानिक निगमों) में से हैं, जहां केंद्र सरकार की सीधी हिस्सेदारी है।***

[23] ***182-20 सरकार द्वारा नियंत्रित अन्य कंपनियां जिनके लेखे तीन साल या उससे अधिक के लिए बकाया थे या निष्क्रिय/परिसमापन के अधीनया पहले लेखे प्राप्त नहीं हुए थे या देय नहीं थे।***

औद्योगिक विकास और तकनीकी परामर्श	3	3	3	1
ठेका और निर्माण सेवाएँ	2	252	180	52
परिवहन सेवाएं	1	164	51	8
ट्रेडिंग और मार्केटिंग	1	41	15	7
दूर संचार सेवाएं	1	42	63	2
पेट्रोलियम	1	60	52	9
कोयला और लिग्नाइट	1	2,188	271	109
जोड़	**42**	**13,530**	**6,179**	**1,063**

1.4 सरकारी कंपनियों और निगमों की प्रचालन दक्षता

1.4.1 उत्पादन का मूल्य

तीन वर्षों की अवधि के दौरान सरकारी कम्पनियों के उत्पादन का मूल्य, कुल परिसंपत्तियों तथा नियोजित पूंजी के सारांश को दर्शाने वाला सार चार्ट VII में दिया गया है।

चार्ट VII: उत्पादन का मूल्य, परिसंपत्तियां तथा नियोजित पूंजी (₹ करोड में)

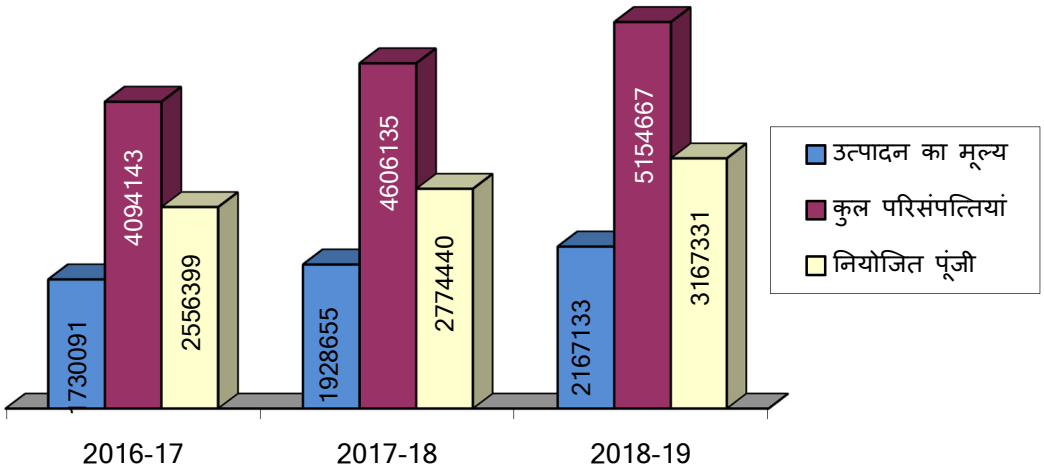

पिछले वर्ष की तुलना में वर्ष 2018-19 में उत्पादन के मूल्य, कुल परिसंपत्तियों तथा नियोजित पूंजी में वृद्धि हुई थी। उत्पादन का मूल्य, कुल परिसंपत्ति तथा नियोजित पूंजी का सीपीएसई वार विवरण ***परिशिष्ट-VIII*** में दिया गया हैं।

2018-19 के अंत में पिछले तीन वर्षों के लिए एकाधिकार[24] और गैर-एकाधिकार सीपीएसई के संबंध में नियोजित उत्पादन, कुलसंपत्ति और पूंजी का मूल्य तालिका 1.15 में दिया गया है।

तालिका 1.15: एकाधिकार बनाम गैर-एकाधिकार उत्पादन, संपत्ति और नियोजित पूंजी

(₹ करोड में)

टाइप / वर्ष	सीपीएसईं की सं	उत्पादन का मूल्य	कुल संपत्ति	नियोजित पूंजी का ज़ोड़
एकाधिकार सीपीएसईं				
2016-17	61	10,40,494	14,21,911	8,58,402
2017-18	64	11,89,866	16,86,755	9,90,103
2018-19	66	14,60,046	19,11,733	11,30,737
गैर-एकाधिकार सीपीएसईं				
2016-17	328	689597	26,72,232	16,97,997
2017-18	347	7,38,789	29,19,380	17,84,337
2018-19	368	7,07,087	32,42,934	20,36,594
ज़ोड़				
2016-17	389	17,30,091	40,94,143	25,56,399
2017-18	411	19,28,655	46,06,135	27,74,440
2018-19	434	21,67,133	51,54,667	31,67,331

1.4.2 नियोजित पूंजी पर रिटर्न (आरओसीई)

आरओसीई एक ऐसा अनुपात है जो कंपनी की लाभप्रदता और दक्षता को मापता है जिसके साथ इसकी पूंजी नियोजित होती है। आरओसीई की संगणना ब्याज और करों से पहले कंपनी की आय (ईबीआईटी) को नियोजित पुंजी[25] से विभाजित करके की जाती है। आरओसीई का सीपीएसई वार विवरण ***परिशिष्ट-IX*** में दिया गया हैं। 2016-17 से 2018-19 की अवधि के दौरान 434 सीपीएसई के समेकित आरओसीई का ब्यौरा तालिका 1.16 में दिया गया हैं।

---

[24] *एकाधिकार का मतलब है एक बाजार संरचना जिसमें एकल विक्रेता द्वारा विशेषता है, बाजार में एक अद्वितीय उत्पाद बेच रहा है। एकाधिकार बाजार में, विक्रेता का कोई मुकाबला नहीं होता है, क्योंकि वह सामान का एकमात्र विक्रेता होता है जिसका कोई करीबी विकल्प नहीं होता है। एक सीपीएसई को एकाधिकार के रूप में वर्गीकृत किया जाता है यदि भौगोलिक क्षेत्र में कोई प्रतिस्पर्धा नहीं है जिसमें वह संचालित होता है। पेट्रोलियम सेक्टर के तहत सीपीएसई को एकाधिकार श्रेणी के तहत शामिल किया गया है। चूंकि पेट्रोलियम उत्पादों का मूल्य निर्धारण तंत्र प्रभावी रूप से सरकारी नियंत्रण में है, इसलिए सरकारी और नियंत्रित पेट्रोलियम उत्पाद कंपनियां आभासी एकाधिकार के रूप में कार्य करती हैं।*

[25] *नियोजित पूंजी = प्रदत्त शेयर पूंजी + मुक्त भंडार और अधिशेष + दीर्घ कालिक ऋण संचित हानियां - आस्थगित राजस्व व्यय।*

तालिका 1.16: नियोजित पूंजी पर रिटर्न

वर्ष	ईबीआईटी (₹ करोड़ में)	नियोजित पूंजी (₹ करोड़ में)	आरओसीई (*प्रतिशत* में)
2016-17	2,73,262	25,56,399	10.69
2017-18	2,90,531	27,74,440	10.47
2018-19	3,18,634	31,67,331	10.06

यह देखा गया कि वर्ष 2018-19 के दौरान 434 सीपीएसई का आरओसीई वर्ष 2017-18 की तुलना में मामूली रूप से कम था।

एकाधिकार और गैर-एकाधिकार सीपीएसई के संबंध में आरओसीई तालिका 1.17 में दिए गए हैं।

तालिका 1.17: एकाधिकार बनाम गैर-एकाधिकार सीपीएसई का आरओसीई

वर्ष	एकाधिकार				गैर-एकाधिकार			
	सीपीएसईं की संख्या	ईबीआईटी (₹ करोड़ में)	नियोजित पूंजी (₹ करोड़ में)	आरओसीई (% में)	सीपीएसईं की संख्या	ईबीआईटी (₹ करोड़ में)	नियोजित पूंजी (₹ करोड़ में)	आरओसीई (% में)
2016-17	61	1,10,481	8,58,402	12.87	328	1,62,781	16,97,997	9.59
2017-18	64	1,23,546	9,90,103	12.48	347	1,66,985	17,84,337	9.36
2018-19	66	1,25,877	11,30,737	11.13	368	1,92,757	20,36,594	9.46

1.4.3 सीपीएसई की इक्विटी पर रिटर्न (आरओई)

आरओई[26] कंपनियों के वित्तीय प्रदर्शन का एक उपाय है जिसकी गणना शेयर धारकों की इक्विटी द्वारा निवल आय को विभाजित करके की जाती हैं। आरओई के सीपीएसई वार विवरण ***परिशिष्ट-X*** में दिए गए है। 2016-17 से 2018-19 की अवधि के दौरान 434 सीपीएसई का समेकित आरओई तालिका 1.18 में दिया गया है।

[26] *इक्विटी पर रिटर्न = (कर और वरीयता लाभांश के बाद निवल लाभ/इक्विटी) *100 जहां इक्विटी = प्रदत्तपूंजी + मुक्त भंडार - संचित हानियां आस्थगित राजस्व व्यय*

तालिका 1.18: इक्विटी पर रिटर्न

वर्ष	कर और वरीयता लाभांश के बाद निवल लाभ (₹ करोड़ में)	इक्विटी (₹ करोड़ में)	आरओई (*प्रतिशत* में)
2016-17	1,24,722	10,60,364	11.76
2017-18	1,23,821	10,82,084	11.44
2018-19	1,38,819	11,75,234	11.81

यह देखा गया कि वर्ष 2017-18 की तुलना में वर्ष 2018-19 के दौरान 434 सीपीएसई का आरओई मामूली रूप से अधिक था।

एकाधिकार और गैर-एकाधिकार सीपीएसई के संबंध में आरओई तालिका 1.19 में दिए गए हैं।

तालिका 1.19: एकाधिकार बनाम गैर-एकाधिकार सीपीएसई का आरओई।

वर्ष	एकाधिकार				गैर-एकाधिकार			
	सीपीएसई की संख्या	इक्विटी	कर और वरीयता लाभांश के बाद निवल लाभ	आरओई (*प्रतिशत* में)	सीपीएसई की संख्या	इक्विटी	कर और वरीयता लाभांश के बाद शुद्ध लाभ	आरओई (*प्रतिशत* में)
		(₹ करोड़ में)				(₹ करोड़ में)		
2016-17	61	5,62,829	67,007	11.91	328	4,97,535	57,715	11.6
2017-18	64	6,30,954	71,371	11.31	347	4,51,130	52,450	11.63
2018-19	66	6,93,110	69,559	10.04	368	4,82,124	69,260	14.37

यह देखा जा सकता है कि पिछले दो वर्षों के दौरान एकाधिकार सीपीएसई के आरओई गैर-एकाधिकार सीपीएसई से काफी कम हैं।

सीपीएसई का क्षेत्र वार आरओई जहां क्षेत्र की कुल इक्विटी वर्ष 2018-19 के दौरान ₹ 10,000 करोड़ से अधिक है को तालिका 1.20 में दर्शाया गया है।

तालिका 1.20: ₹10,000 करोड़ और अधिक की कुल इक्विटी वाले क्षत्रों का आरओई

(प्रतिशत में)

क्र.सं.	क्षेत्र	2018-19 के दौरान आरओई	2017-18 के दौरान आरओई	2016-17 के दौरान आरओई
1	पेट्रोलियम	15.99	16.77	17.12
2	परिवहन सेवाएं	-1.62	-1.12	-1.33
3	विद्युत	13.22	12.95	11.91
4	वित्तीय सेवाएं	24.35	25.84	12.56
5	बीमा	-3.34	8.61	0.87
6	खनिज और धातु	17.95	15.33	10.4
7	कोयला और लिग्नाइट	72.46	43.02	72.38
8	भारी उद्योग	3.1	3.68	2.41
9	इस्पात	16.04	-11.73	-28.08
10	परिवहन उपकरण	24.87	17.14	21.41

1.4.4 सरकारी निवेशों पर वास्तविक रिटर्न की दर (आरओआरआर)

आरओआरआर लाभ प्रदता और दक्षता को मापता है जिस के साथ इक्विटी और इसी तरह की गैर-ब्याज असर वाली पूंजी को नियोजित किया गया है, उन्हें उन के समय के मूल्य के लिए समायोजित करने के बाद, और जब रिटर्न की पारंपरिक दर (आरओआर) की पारंपरिक दर के साथ तुलना कर के महत्व दिया जाता है, जिसे ऐतिहासिक लागत के आधार पर गिने जाने वाले ऐसे सभी निवेशों के योग से पीएटी विभाजित कर के गणना की जाती है।

इस प्रतिवेदन में शामिल 596 सीपीएसई में से, केंद्र सरकार का 198 सीपीएसई में प्रत्यक्ष निवेश है। इन 198 सीपीएसई में से, लेखा परीक्षा ने 139 सीपीएसई (53 सूचीबद्ध सीपीएसई और 86 असूचीबद्ध सीपीएसई) के संबंध में आरओआरआर की जांच की।

इन सीपीएसई में केन्द्र सरकार के निवेश के आरओआरआर की निम्नलिखित अवधारणाओं के आधार पर संगणना की गई थी:

- इक्विटी के रूप में सीपीएसई में केंद्र सरकार द्वारा वास्तविक आधान के अलावा, केंद्र सरकार द्वारा सीपीएसई को दिए गए परिचालन और प्रशासनिक व्ययों के लिए ब्याज मुक्त ऋण और अनुदानों/सब्सिडी पर केंद्र सरकार द्वारा निवेश आधान के रूप में माना गया है।

- उन मामलों में जहां सीपीएसई को दिए गए ब्याज मुक्त ऋण बाद में इक्विटी में बदल दिए गए थे, इक्विटी में परिवर्तित ऋण की राशि ब्याज मुक्त ऋण की राशि से कम कर ली गई है और उस वर्ष की इक्विटी में जोड़ दी गई है।
- वर्ष के अंत में कुल निवेश की गणना करते समय विनिवेश में कटौती की गई है।
- संबंधित वित्तीय वर्ष[27] के लिए केंद्र सरकार की प्रतिभूतियों पर भारित औसत ब्याज दर को वर्तमान मूल्य (पीवी) पर पहुंचने के लिए मिश्रित दर के रूप में अपनाया गया था क्योंकि वे वर्ष के लिए निधियों के निवेश के प्रति सरकार द्वारा व्यय की गई लागत का प्रतिनिधित्व करते हैं और इसलिए सरकार द्वारा किए गए निवेशों पर रिटर्न की न्यूनतम अपेक्षित दर के रूप में माना गया है।
- केन्द्र सरकार के निवेश के आरओआरआर की गणना के उद्देश्य हेतु 2000-01 से शुरू 2018-19 तक की अवधि को, 31 मार्च 2000 तक 139 सीपीएसई में केन्द्र सरकार के निवेश को 2000-01 की शुरूआत में केन्द्र सरकार के निवेश के वर्तमान मूल्य के रूप में मानते हुए लिया गया हैं।
- 198 सीपीएसई में से 139 सीपीएसई के संबंध में आरओआरआर की गणना की गई है क्योंकि 59 सीपीएसई से संबंधित आंकड़े उपलब्ध नहीं कराए जा सके।

---

[27] ***सरकारी प्रतिभूतियों पर भारित औसत ब्याज की दर को भारतीय रिजर्व बैंक की सरकारी प्रतिभूति बाजार रिपोर्ट/सरकारीऋण पर वित्त मंत्रालय के स्थिति पत्र से लिया गया है।***

तालिका 1.21: 2000-01 से 2018-19 तक केन्द्र सरकार द्वारा निवेश तथा सरकारी निधियों के वास्तविक रिटर्न की दर का वर्षवार विवरण

(₹ लाख में)

वित्तीय वर्ष	वर्ष की शुरुआत में केंद्र सरकार के कुल निवेश का वर्तमान मूल्य	वर्ष के दौरान केंद्र सरकार द्वारा संक्रमित इक्विटी	वर्ष के दौरान केंद्र सरकार द्वारा दिया गया शुद्ध ब्याज मुक्त ऋण	ब्याज मुक्त ऋण वर्ष के दौरान इक्विटी में परिवर्तित हो गया	परिचालन और प्रशासनिक व्यय के लिए केंद्र सरकार द्वारा दी गई अनुदान / सब्सिडी	अंकित मूल्य पर वर्ष के दौरान केंद्र सरकार द्वारा विनिवेश	वर्ष के दौरान कुल निवेश	वर्ष के अंत में कुल निवेश	ब्याज की औसत दर	वर्ष के अंत में कुल निवेश का वर्तमान मूल्य	वर्ष के लिए धन की लागत की वसूली के लिए न्यूनतम अपेक्षित वापसी	वर्ष के लिए कुल कमाई	आरओआरआर *(प्रतिशत में)*
A	B	C	D	E	F	G	H = C+D-E+F-G	I = B+H	J	₹ = I*(1+J/100)	L = I*J/100	M	N = M*100/₹
2000-01	5452474.35	1494556.27	63400.00	4053.41	7979.18	12971.39	1548910.7	7001385.00	10.95	7768036.66	766651.66	1906842.06	24.55
2001-02	7768036.66	279920.77	40220.00	0.00	5497.17	0.00	325637.94	8093674.60	9.44	8857717.48	764042.88	2598528.15	29.34
2002-03	8857717.48	184944.74	14232.00	0.00	12745.35	30702.00	181220.09	9038937.57	7.34	9702395.59	663458.02	3354486.33	34.57
2003-04	9702395.59	316503.19	17002.00	0.00	5794.73	114383.88	224916.04	9927311.63	5.71	10494161.12	566849.49	4859167.25	46.30
2004-05	10494161.12	242239.87	5257.41	0.00	60181.50	43291.50	264387.28	10758548.40	6.11	11415895.71	657347.31	6135340.72	53.74
2005-06	11415895.71	220769.33	14340.00	0.00	15357.00	0.00	250466.33	11666362.04	7.34	12522673.01	856310.97	6060419.26	48.40
2006-07	12522673.01	1045214.66	1260.00	0.00	11264.37	0.00	1057739	13580412.05	7.89	14651906.56	1071494.51	7987941.35	54.52
2007-08	14651906.56	762015.19	3003.00	103320.00	46586.96	29411.36	678873.79	15330780.35	8.12	16575639.71	1244859.36	7730127.59	46.64
2008-09	16575639.71	308889.79	4744.00	0.00	13504.66	-23530.01	350668.46	16926308.17	7.69	18227941.27	1301633.10	8256652.99	45.30
2009-10	18227941.27	492352.83	9544.00	0.00	282510.42	108942.17	675465.07	18903406.34	7.23	20270122.62	1366716.28	8163527.26	40.27
2010-11	20270122.62	386934.55	53401.00	0.00	63809.00	156826.44	347318.11	20617440.74	7.92	22250342.04	1632901.31	8353517.88	37.54
2011-12	22250342.04	466996.54	34588.00	8521.12	804.84	26759.64	467108.62	22717450.66	8.52	24652977.46	1935526.80	8643551.67	35.06
2012-13	24652977.46	621386.07	34309.00	0.00	16254.35	138186.71	533762.72	25186740.17	8.36	27292351.65	2105611.48	10761064.99	39.43
2013-14	27292351.65	470331.91	41445.00	0.00	45788.49	192122.55	365442.84	27657794.49	8.45	29994878.13	2337083.63	11801350.80	39.34

वित्तीय वर्ष	वर्ष की शुरुआत में केंद्र सरकार के कुल निवेश का वर्तमान मूल्य	वर्ष के दौरान केंद्र सरकार द्वारा संक्रमित इक्विटी	वर्ष के दौरान केंद्र सरकार द्वारा दिया गया शुद्ध ब्याज मुक्त ऋण	ब्याज मुक्त ऋण वर्ष के दौरान इक्विटी में परिवर्तित हो गया	परिचालन और प्रशासनिक व्यय के लिए केंद्र सरकार द्वारा दी गई अनुदान / सब्सिडी	अंकित मूल्य पर वर्ष के दौरान केंद्र सरकार द्वारा विनिवेश	वर्ष के दौरान कुल निवेश	वर्ष के अंत में कुल निवेश	ब्याज की औसत दर	वर्ष के अंत में कुल निवेश का वर्तमान मूल्य	वर्ष के लिए धन की लागत की वसूली के लिए न्यूनतम अपेक्षित वापसी	वर्ष के लिए कुल कमाई	आरओआरआर *(प्रतिशत में)*
A	B	C	D	E	F	G	H = C+D-E+F-G	I = B+H	J	₹ = I∗(1+J/100)	L = I∗J/100	M	N = M∗100/₹
2014-15	29994878.13	321965.45	37670.00	0.00	24575.27	84328.65	299882.07	30294760.19	8.51	32872844.29	2578084.09	10032805.38	30.52
2015-16	32872844.29	614725.59	47271.00	23101.14	67276.89	155951.04	550221.3	33423065.59	7.89	36060145.46	2637079.87	10984563.00	30.46
2016-17	36060145.46	1075694.06	84785.00	10177.52	77374.16	298168.10	929507.6	36989653.06	7.16	39638112.22	2648459.16	10948717.60	27.62
2017-18	39638112.22	1076949.62	117658.00	0.00	102538.18	245086.47	1052059.3	40690171.55	6.97	43526276.50	2836104.96	12031734.48	27.64
2018-19	43526276.50	1182211.25	112440.00	0.00	373538.86	503710.14	1164480	44690756.47	7.78	48167697.32	3476940.85	12106119.85	25.13
							11268067	**403494959.08**					

आरओआरआर ने 2006-07 तक एक बढ़ती प्रवृत्ति को दिखाया जब यह 54.52 *प्रतिशत* तक पहुंच गया, जिसके बाद यह गिरावट शुरू हुई और 2014-15 से 2018-19 के पांच वर्षों के दौरान 25.13 *प्रतिशत* और 30.52 *प्रतिशत* के बीच रही।

तालिका 1.22: वर्ष 2018-19 के लिए केंद्र सरकार के निवेश पर समेकित आरओआरआर

2018-19 में कुल आय / हानि (₹ लाख में)	**2018-19** तक केंद्र सरकार द्वारा निवेश शुरू होने से (₹ लाख में)	**2018-19** तक स्थापना के बाद से केंद्र सरकार द्वारा निवेश (ऐतिहासिक मूल्य (*प्रतिशत* में) के आधार पर केंद्र सरकार के निवेश पर बदले में	**2018-19** केअंत में केंद्र सरकार के निवेश का वर्तमान मूल्य (₹ लाख में)	निवेशों के वर्तमान मूल्य को देखते हुए केंद्र सरकार के निवेश पर आरओआरआर *(प्रतिशत में)*
A	B	C	D	E
उपरोक्त तालिका के स्तंभ M का मान	ऊपर स्तंभ का कुलयोग + 2000-01 की शुरुआत में सरकार निवेश	A*100/B	उपरोक्त तालिका के स्तंभ ञ का मान	A*100/D
1,21,06,120	1,67,20,541 (1,12,68,067+54,52,474)	72.40	4,81,67,697	25.13

पूर्ववर्ती तीन वर्षों के लिए कंपनी-वार आरओआरआर को ***परिशिष्ट- XI*** में दिया गया है।

उसी के एक खंड से पता चलता है कि सूचीबद्ध कंपनियों ने आरओरआर को 58 *प्रतिशत* से 59 *प्रतिशत* के बीच दिया है, जबकि पूर्ववर्ती तीन वर्षों के दौरान असूचीबद्ध सीपीएसई ने नकारात्मक रिटर्न दिया है, जो पूर्ववर्ती तीन वर्षों में दो *प्रतिशत* से पांच *प्रतिशत* के बीच था।

केंद्र सरकार के निवेश पर आरओआरआर की तुलना एकाधिकार और गैर-एकाधिकार कंपनियों की श्रेणी के तहत 139 सूचीबद्ध और गैर-सूचीबद्ध सीपीएसई के लिए निवेश के ऐतिहासिक मूल्य के आधार पर रिटर्न के साथ की गई थी। वर्ष 2018-19 का परिणाम तालिका 1.23 में दिया गया है:

तालिका 1.23: वर्ष 2018-19 के लिए एकाधिकार और गैर-एकाधिकार सीपीएसई के लिए केंद्र सरकार के निवेश पर आरओआरआर

	2018-19 में कुल आय / हानि (₹ लाख में)	**2018-19** तक केंद्र सरकार द्वारा निवेश शुरू होने से (₹ लाख में)	ऐतिहासिक मूल्य के आधार पर केंद्र सरकार के निवेश पर रिटर्न (*प्रतिशत* में)	**2018-19** के अंत में केंद्र सरकार के निवेश का वर्तमान मूल्य (₹ लाख में)	निवेश के वर्तमान मूल्य (*प्रतिशत* में) को देखते हुए केंद्र सरकार के निवेश पर आरओआरआर
सूचीबद्ध एकाधिकार सीपीएसई	65,82,332	12,04,093	546.66	26,88,346	244.85
सूचीबद्ध गैर-एकाधिकार सीपीएसई	67,54,633	50,10,184	134.82	2,00,76,689	33.64
समेकित सूचीबद्ध	1,33,36,965	62,14,277	214.62	2,27,65,035	58.59
असूचीबद्ध एकाधिकार सीपीएसई	30,003	39,40,278	0.76	67,88,674	0.44
असूचीबद्ध गैर-एकाधिकार सीपीएसई	-12,60,849	65,65,987	-19.20	1,86,13,988	-6.77
समेकित असूचीबद्ध	12,30,846	1,05,06,265	-11.72	2,54,02,662	-4.85

1.4.5 सूचीबद्ध सीपीएसई के निवेश पर रिटर्न (आरओआई)

स्टॉक एक्सचेंजों में सूचीबद्ध 53 सीपीएसई के निवेश पर रिटर्न (वार्षिक औसत दर)[28] की गणना 2000-2001 से की गई है ताकि इन सीपीएसई में केंद्र सरकार द्वारा किए गए निवेश से प्राप्त लाभ का निर्धारण किया जा सके। आरओआई एक निष्पादन माप है जिसका उपयोग किसी निवेश की दक्षता का मूल्यांकन करने के लिए किया जाता है।

इन सीपीएसई के आरओआई की निम्नलिखित मान्यताओं के आधार पर संगणना की गई थी:

---

[28] ***{(वित्तीय वर्ष के 31 मार्च को कंपनी के बाजार पूंजीकरण का सरकारी हिस्सा + वित्त वर्ष के 31 मार्च को सरकार की लाभांश प्राप्तियों का वर्तमान मूल्य + वित्त वर्ष के 31 मार्च के अनुसार सरकार के विनिवेश प्राप्तियों का वर्तमान मूल्य) - (स्थापना पर सरकार की प्रदत्त इक्विटी + स्थापना पर सरकार के द्वारा डाली गई इक्विटी का रियायती मूल्य + स्थापना पर परिचालन तथा प्रशासनिक व्ययों को पूरा करने के लिए डाली गई आर्थिक सहायता/अनुदान का रियायती मूल्य)}/ (स्थापना पर सरकारकी प्रदत्त इक्विटी + स्थापना पर सरकार के द्वारा डाली गई इक्विटी का रियायती मूल्य+ स्थापना पर परिचालन तथा प्रशासनिक व्ययों की प्राप्ति के लिए डाली गई आर्थिक सहायता/अनुदान का रियायती मूल्य)/ मध्यवर्ती वार्षिक अवधि की संख्या।***

- इक्विटी के रूप में सीपीएसई में केंद्र सरकार द्वारा वास्तविक आधान के अलावा, केंद्र सरकार द्वारा सीपीएसई को दिए गए परिचालन और प्रशासनिक व्ययों के लिए अनुदान/ आर्थिक सहायता, शुरुआत में उनके मूल्यों की पुन: गणना द्वारा केंद्र सरकार द्वारा निवेश आधान अथवा बहिर्वाह के रूप में माना जाता है।
- वर्ष के अंत में सीपीएसई के बाजार पूंजीकरण और लाभांश प्राप्तियों और विनिवेश प्राप्तियों के वर्तमान मूल्य को स्थापना के बाद से अन्तर्वाह माना गया है।
- वित्त वर्ष 2000-01 को स्थापना वर्ष के रूप में माना गया हैं। सीपीएसई के लिए डेटा उपलब्धता 2000-01 को स्थापना वर्ष मानने का कारण है।

आरओआई के अलावा, इन सीपीएसई की कंपनी वार चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर[29](सीएजीआर) की गणना रिटर्न की दर निर्धारित करने के लिए भी की गई है जो किसी निवेश के इसके आदि शेष से अंत शेष तक की वृद्धि हेतु आवश्यक होगा।

सीपीएसई में केंद्र सरकार के ऐसे निवेश के आरओआई तथा सीएजीआर की समेकित स्थिति को तालिका 1.24 में दर्शाया गया है:

[29] ***चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर ज्यामितीय प्रगति अनुपात को इंगित करती है जो समय अवधि पर निरंतर रिटर्न दर प्रदान करता है।***

तालिका 1.24: वर्ष 2000-01 से 2018-19 के दौरान केंद्र सरकार द्वारा अन्र्वाह और केंद्र सरकार द्वारा बहिर्वाह और आरओआई तथा सीएजीआर का वर्षवार विवरण

निवेश पर समेकित रिटर्न (आरओआई)																	
(₹ लाख में)																	
वर्ष	केंद्र सरकार द्वारा आयोजित इक्विटी	केंद्र सरकार द्वारा जोड़ा गया इक्विटी	केंद्र सरकार द्वारा दी जाने वाली अनुदान सब्सिडी	केंद्र सरकार द्वारा लाभांश प्राप्तियां	केंद्र सरकारद् वारा विनिवेश प्राप्तियां	वर्षों की संख्या	ब्याज दर (आर)	1+r	इक्विटी का इंसेप्शन वैल्यू जोड़ा गया	अनुदान की स्थापना मूल्य	विनिवेश रसीदों का पी.वी.	लाभांश प्राप्तियों का पी.वी.	निवेश की लागत	शेयर का बाजार मूल्य	निवेश का वर्तमान मूल्य	आरओआई (वार्षिक औसत दर)	आरओआई (सीएजीआर)
a	b	c	D	e	f	g	h	i	j	k	l	m	n	o	p	q	r
								(1+h)	c / i के आरंभ वर्ष से (g-1) के वर्ष मूल्य से गुणांक	d / l का आरंभ वर्ष से (g-1) के वर्ष मूल्य से गुणांक	f * वर्ष से अंतिम वर्ष तक I का उत्पाद	ई * वर्ष से अंतिम वर्ष तक I का उत्पाद	b+Σj+Σk		o+ΣI+Σm	((r-n)/n)/g *100	((p/n)^1 /g-1)*100
2000-01	1143377	41010	0	279637	12792	1	0.1095	1.1095	41010	0	53830	1176702	1184387	4024177	5254709	343.66	343.66
2001-02	1131470	8615	0	372546	0	2	0.0944	1.0944	7765	0	0	1412942	1180244	5703717	8347191	303.62	165.94
2002-03	1140492	4981	0	685784	0	3	0.0734	1.0734	4102	0	0	2376598	1193368	6092799	11112872	277.07	110.39
2003-04	1140492	38649	384	724270	1239096	4	0.0571	1.0571	29653	295	4000479	2338340	1223316	15036927	26395819	514.43	115.53
2004-05	1921747	22550	59110	1183341	268407	5	0.0611	1.0611	16367	42902	819757	3614106	2063840	23656756	39449511	362.29	80.42
2005-06	1921747	13578	2000	1143356	0	6	0.0734	1.0734	9287	1368	0	3290912	2074496	37544749	56628416	438.29	73.52
2006-07	2024792	151848	9277	1369123	0	7	0.0789	1.0789	96763	5912	0	3671262	2280216	39234225	61989153	374.08	60.29
2007-08	2485474	26085	39652	1459375	181445	8	0.0812	1.0812	15406	23420	450959	3627094	2779724	80191057	107024039	468.77	57.83

वर्ष	केंद्र सरकार द्वारा आयोजित इक्विटी	केंद्र सरकार द्वारा जोड़ा गया इक्विटी	केंद्र सरकार द्वारा दी जाने वाली अनुदान सब्सिडी	केंद्र सरकार द्वारा लाभांश प्राप्तियां	केंद्र सरकारद् वारा विनिवेश प्राप्तियां	वर्षों की संख्या	ब्याज दर (आर)	1+r	इक्विटी का इंसेप्शन वैल्यू जोड़ा गया	अनुदान की स्थापना मूल्य	विनिवेश रसीदों का पी.वी.	लाभांश प्राप्तियों का पी.वी.	निवेश की लागत	शेयर का बाजार मूल्य	निवेश का वर्तमान मूल्य	आरओआई (वार्षिक औसत दर)	आरओआई (सीएजीआर)
a	b	c	D	e	f	g	h	i	j	k	l	m	n	o	p	q	r
								(1+h)	c / i के आरंभ वर्ष से (g-1) के वर्ष मूल्य से गुणांक	d / l का आरंभ वर्ष से (g-1) के वर्ष मूल्य से गुणांक	f * वर्ष से अंतिम वर्ष तक l का उत्पाद	ई * वर्ष से अंतिम वर्ष तक l का उत्पाद	b+Σj+Σk		o+Σl+Σm	((r-n)/n)/g *100	((p/n)^1/g-1)*100
2008-09	2485474	68391	13180	1382257	0	9	0.0769	1.0769	37360	7200	0	3177420	2824284	59007214	89017615	339.10	46.73
2009-10	3624723	125038	282000	1636823	2355291	10	0.0723	1.0723	63428	143050	5027534	3493913	4170011	102973421	141505269	329.34	42.25
2010-11	4578224	225217	18000	2139147	2214954	11	0.0792	1.0792	106543	8515	4409191	4258285	5238570	119637540	166836864	280.43	36.98
2011-12	4578224	8671	0	2604938	1389405	12	0.0852	1.0852	3801	0	2562837	4804958	5242371	90417318	144984438	222.14	31.87
2012-13	4690424	49199	13000	2855499	2404814	13	0.0836	1.0836	19873	5251	4087558	4853604	5379695	73100779	136609061	187.64	28.25
2013-14	4690424	73364	0	3842100	1424757	14	0.0845	1.0845	27348	0	2234880	6026735	5407043	68286227	140056125	177.88	26.17
2014-15	4694039	19200	16500	2966621	2432259	15	0.0851	1.0851	6600	5671	3517982	4290876	5422929	84160646	163739402	194.63	25.51
2015-16	4694039	12003	55202	3532471	1860590	16	0.0789	1.0789	3802	17486	2480075	4708610	5444218	67391637	154159077	170.73	23.24
2016-17	4694039	572439	60881	3918593	2955637	17	0.0716	1.0716	168070	17875	3651606	4841311	5630163	92449221	187709578	190.24	22.91
2017-18	5047977	456978	55437	3841947	8036851	18	0.0697	1.0697	125206	15189	9265868	4429468	6124496	98390425	207346118	182.53	21.61
2018-19	5066302	71324	368453	3515628	4202223	19	0.0778	1.0778	18269	94373	4529156	3789144	6255462	78329267	195603259	159.31	19.86

आरओआई (वार्षिक औसत दर) 2007-08 के बाद से लगातार गिरावट का संकेत देता है क्योंकि यह 2007-08 में 469 *प्रतिशत* था, जो 2018-19 में घटकर 159 *प्रतिशत* हो गया है।

सूचीबद्ध सीपीएसई और ओआई (वार्षिक औसत दर) और आरओआई (सीएजीआर) को एकाधिकार और गैर-एकाधिकार कंपनियों की श्रेणी के तहत किया गया था और पिछले तीन वर्षों के परिणाम तालिका 1.25 में दिए गए हैं:

तालिका 1.25: 2016-17 से 2018-19 के दौरान एकाधिकार और गैर-एकाधिकार सूचीबद्ध सीपीएसई के लिए आरओआई (औसत वार्षिक दर) और आरओआई (सीएजीआर)

(प्रतिशत में)

	आरओआई (औसत वार्षिक दर)			आरओआई (सीएजीआर)		
	2016-17	**2017-18**	**2018-19**	**2016-17**	**2017-18**	**2018-19**
सूचीबद्ध एकाधिकार सीपीएसई	667.53	552.04	510.68	32.16	29.18	27.29
सूचीबद्ध गैर-एकाधिकार सीपीएसई	130	133.64	112.79	20.29	19.60	17.79

पिछले तीन वर्षों के लिए सूचीबद्ध सीपीएसई वार आरओआई (औसत वार्षिक दर) और आरओआई (सीएजीआर) तालिका 1.26 में दिया गया है:

तालिका 1.26: 2016-17 से 2018-19 के दौरान सीपीएसई के आरओआई (औसत वार्षिक दर) और आरओआई (सीएजीआर)

क्र. सं.	**सीपीएसई**	**आरओआई (औसत वार्षिक दर)**			**आरओआई (सीएजीआर)**		
		2016-17	2017-18	2018-19	2016-17	2017-18	2018-19
1	भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड	990.89	701.43	652.00	35.24	30.90	28.93
2	इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड	586.94	579.04	498.75	31.17	29.52	27.14
3	पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड	253.58	180.34	190.04	35.77	29.69	28.37
4	गेल (इंडिया) लिमिटेड	446.38	419.44	410.50	29.10	27.25	25.86
5	आवास और शहरी विकास निगम लिमिटेड	एनए[30]	501.56	158.68	एनए	501.56	104.29

[30] ***एनए यह दर्शाता है कि सीपीएसई को उस वर्ष सूचीबद्ध नहीं किया गया था लेकिन बाद के वर्ष में सूचीबद्ध किया गया था.***

6	आईएफसीआई लिमिटेड	52.94	27.64	15.05	29.54	17.70	10.83
7	इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड	613.01	398.23	372.13	31.51	26.89	25.22
8	एमओआईएल लिमिटेड	614.60	604.20	501.01	71.72	62.80	53.05
9	नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड	67.20	54.38	44.83	15.98	14.13	12.59
10	एनएचपीसी लिमिटेड	40.76	33.97	29.39	19.86	16.84	14.69
11	एनटीपीसी लिमिटेड	203.85	195.20	180.15	29.04	26.98	24.88
12	पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड	203.17	175.55	116.93	35.79	31.49	25.34
13	ग्रामीण विद्युतीकरण निगम लिमिटेड	312.95	238.91	126.81	41.55	35.06	26.13
14	स्कूटर्स इंडिया लिमिटेड	22.63	30.85	17.55	9.73	11.01	8.02
15	एसजेवीएन लिमिटेड	53.27	49.74	37.63	24.85	22.22	17.85
16	ड्रेजिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड	620.62	543.22	502.11	31.60	29.07	27.18
17	एनएमडीसी लिमिटेड	2237.60	2057.45	1910.58	41.86	38.92	36.39
18	भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड	1953.22	1771.29	1296.87	40.73	37.77	33.65
19	भारत डायनामिक्स लिमिटेड	एनए	3626.74	1422.10	एनए	3626.74	442.60
20	बीईएमएल लिमिटेड	938.91	716.00	666.08	34.82	31.04	29.07
21	बामर लॉरी इन्वेस्टमेंट कंपनी लिमिटेड	374.28	378.21	372.60	30.96	29.36	27.76
22	कंटेनर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड	1464.55	1615.81	1611.94	38.37	37.07	35.18
23	एचएमटी लिमिटेड	20.14	14.07	12.45	9.14	7.26	6.59
24	भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड	989.40	750.58	688.08	35.23	31.39	29.29
25	हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड	816.66	1720.96	1630.39	33.72	37.55	35.26
26	तेल और प्राकृतिक गैस निगम लिमिटेड	708.74	629.78	583.37	32.62	30.12	28.18
27	केआईओसीएल लिमिटेड	एनए	2103.72	675.39	एनए	2103.72	280.89
28	मिश्र धातू निगम लिमिटेड	एनए	NA	1334.10	एनए	0.00	1334.10
29	न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	एनए	14290.58	4396.22	एनए	14290.58	843.00
30	जनरल इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड	एनए	15527.18	3144.79	एनए	15527.18	699.35

31	हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड	एनए	11254.92	3974.59	एनए	11254.92	797.17
32	महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड	41.36	36.20	30.67	13.04	11.86	10.64
33	कोल इंडिया लिमिटेड	691.65	614.62	519.70	74.57	63.14	53.67
34	ऑयल इंडिया लिमिटेड	949.29	743.46	598.87	72.10	59.79	50.82
35	भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड	71.53	71.92	60.55	16.37	15.77	14.22
36	एंड्रयूयूल एंड कंपनी लिमिटेड	27.67	27.45	15.80	10.79	10.41	7.57
37	हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड	113.71	105.33	87.26	19.38	18.09	16.29
38	एमएसटीसी लिमिटेड	एनए	एनए	1121.93	एनए	एनए	1121.93
39	नेशनल एल्युमिनियम कंपनी लिमिटेड	185.81	174.36	161.43	22.74	21.31	19.95
40	भारतीय नौवहन निगम लिमिटेड	171.90	155.68	133.15	22.20	20.58	18.78
41	राष्ट्रीय रसायन और उर्वरक लिमिटेड	65.31	58.26	49.28	15.80	14.53	13.10
42	हिंदुस्तान ऑर्गेनिक्स केमिकल्स लिमिटेड	-3.18	-3.16	-3.00	-4.48	-4.55	-4.35
43	भारत इम्म्युयनोलॉजिकल एंड बायोलॉजिकल कॉर्पोरेशन लिमिटेड	8.01	5.88	-1.03	5.18	4.09	-1.14
44	आईटीआई लिमिटेड	1.54	8.59	7.69	1.38	5.33	4.85
45	एनएलसी (इंडिया) लिमिटेड	119.83	112.46	111.23	19.74	18.50	17.70
46	कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड	एनए	5023.09	2109.69	एनए	5023.09	557.22
47	उर्वरक और रसायन त्रावणकोर लिमिटेड	25.23	37.69	19.47	10.29	12.08	8.49
48	मद्रास फर्टिलाइजर्स लिमिटेड	30.83	54.88	21.10	24.40	33.70	15.50
49	एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड	1842.59	1707.63	994.55	147.64	116.67	83.71
50	एसटीसी लिमिटेड	179.08	150.72	142.94	24.83	22.32	20.93
51	एमएमटीसी लिमिटेड	970.44	842.41	652.65	39.44	35.93	31.99
52	भारतीय पर्यटन विकास निगम लिमिटेड	788.82	722.12	388.17	109.59	88.12	61.11
53	आईआरसीओएन इंटरनेशनल लिमिटेड	एनए	एनए	4234.74	एनए	एनए	4234.74
	समेकित	190.24	182.53	159.31	22.91	21.61	19.86

आरओआई (औसत वार्षिक दर) और 50 सूचीबद्ध सीपीएसई[31] की आरओआई (सीएजीआर) की समीक्षा से यह देखा गया है कि 47 सीपीएसई[32] के आरओआई (औसत वार्षिक दर) और 48 सीपीएसई[33] के आरओआई (सीएजीआर) 2016-17 से 2018-19 की अवधि के दौरान कम हो गए हैं। जबकि 2016-17 के दौरान 43 सूचीबद्ध सीपीएसई का समेकित आरओआई (औसत वार्षिक दर) 190.24 *प्रतिशत* था, यह 2018-19 में घटकर 53 सीपीएसई का 159.31 *प्रतिशत* हो गया। इसी प्रकार, 43 सूचीबद्ध सीपीएसई का आरओआई (सीएजीआर) 2016-17 में 22.91 *प्रतिशत* से घटकर 53 सूचीबद्ध सीपीएसई का 19.86 *प्रतिशत* हो गया। यह भी देखा गया कि 2017-18 के दौरान सूचीबद्ध सात सीपीएसई[34] के संदर्भ में, आरओआई (औसत वार्षिक दर) औरआरओआई (सीएजीआर) में 2017-18 की तुलना में 2018-19 में तेजी से गिरावट आई है, मुख्य रूप से शेयरों के बाजार मूल्य में कमी साथ ही साथ केंद्र सरकार द्वारा विनिवेश से प्राप्त आय के कारण।

1.4.6 निजी कंपनियों के साथ सूचीबद्ध सीपीएसई का निष्पादन

पांच अनुपातों (आरओई, आरओसीई, प्रति शेयर आय, मूल्य आय अनुपात और आईसीआर) के मानकों पर 35[35] सूचीबद्ध सीपीएसई का निष्पादन 2014-15 से 2018-19 तक पिछले पांच वर्षों के दौरान समान प्रकृति के व्यवसाय वाली निजी कंपनियों के साथ तुलना की गई थी। तुलना में निम्नलिखित परिणाम सामने आए:

आरओई: पिछले पांच वर्षों के दौरान तीन या अधिक वर्षों के लिए व्यवसाय की समान प्रकृति वाली निजी कंपनियों की तुलना में 35 सूचीबद्ध सीपीएसई में से 18 में आरओई निचले स्तर पर था ***(परिशिष्ट-XII)***।

---

[31] ***मिश्र धातू निगम लिमिटेड, एमएसटीसी लिमिटेड और आईआरसीओएन इंटरनेशनल लिमिटेड को 2018-19 के दौरान स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध किया गया था और इसलिए इस सूची में शामिल नहीं किया गया है।***

[32] ***सिवाय आईटीआई लिमिटेड, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और कंटेनर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड***

[33] ***सिवाय आईटीआई लिमिटेड और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड***

[34] ***सात सीपीएसई अर्थात् आवास और शहरी विकास निगम लिमिटेड, भारत डायनामिक्स लिमिटेड, के आईओसीएल लिमिटेड, न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड, जनरल इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड और कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड***

[35] ***पिछले पांच वर्षों के दौरान केवल 47 सीपीएसई के शेयरों का व्यापार किया गया। 11 सीपीएसई के मामले में व्यवसाय की समान प्रकृति वाली कोई सूचीबद्ध निजी कंपनियां नहीं मिलीं, इसलिए तुलना के लिए 36 सीपीएसई पर विचार किया गया।***

आरओसीई: पिछले पांच वर्षों के दौरान तीन या अधिक वर्षों के लिए व्यवसाय की समान प्रकृति वाली निजी कंपनियों की तुलना में 35 सूचीबद्ध सीपीएसई में से 17 में आरओसीई निचले स्तर पर था **(परिशिष्ट-XIII)**।

प्रति शेयर आय (ईपीएस): पिछले पांच वर्षों के दौरान तीन या अधिकवर्षों के लिए व्यवसाय की समान प्रकृति वाली निजी कंपनियों की तुलना में 35 सूचीबद्ध सीपीएसई में से 26 के संदर्भ में ईपीएस निचले स्तर पर था **(परिशिष्ट-XIV)**।

मूल्य आय अनुपात (पी/ई) अनुपात[36]: पिछले पांच वर्षों के दौरान तीन या अधिक वर्षों के लिए व्यवसाय की समान प्रकृति वालीनिजी कंपनियों की तुलना में 35 सूचीबद्ध सीपीएसई में से 29 के संदर्भ में पी/ई अनुपात निचले स्तर पर था **(परिशिष्ट-XV)**।

आईसीआर: पिछले पांच वर्षों के दौरान तीन या अधिक वर्षों के लिए व्यवसाय की समान प्रकृति वाली निजी कंपनियों की तुलना में 35 सूचीबद्ध सीपीएसई में से 17 के संदर्भ में आईसीआर निचले स्तर पर था **(परिशिष्ट-XVI)**।

आठ सीपीएसई के संबंध में, सभी पांच वर्षों के दौरान एक ही क्षेत्र में निजी कंपनियों की तुलना में उपरोक्त सभी मानक कम थे।

1.4.7 बिक्री और विपणन

2018-19 के दौरान, 434 सीपीएसई की कुल बिक्री 2017-18 के दौरान 411 सीपीएसई में ₹21,56,328 करोड़ की तुलना में ₹25,23,673 करोड़ थी। 434 सीपीएसई में से 128 सीपीएसई ने अपनी ₹12,28,922 करोड़ की बिक्रीमें से सरकारी क्षेत्र को ₹2,63,262 करोड़ की कीमत की वस्तुएं/सेवाएं बेची। सरकारी क्षेत्र को इन 128 सीपीएसई की बिक्री का कुल *प्रतिशत* उनकी कुल बिक्री के संदर्भ में 21.42 *प्रतिशत* था।

58 सीपीएसई ने ₹1,12,579 करोड़ (उनकी कुल बिक्री की राशि ₹15,83,485 करोड़ का 7.11 *प्रतिशत*) की कीमत की वस्तुएं/सेवाएं निर्यात की जबकि 29 सीपीएसई ने ₹70,413 करोड़ की कीमत की वस्तुएं/ सेवाएं आयात की जिसके परिणामस्वरूप सीपीएसई द्वारा निवल निर्यात ₹42,166 करोड़ का था।

कुल बिक्री, सरकारी क्षेत्र को बिक्री और एकाधिकार और गैर-एकाधिकार सीपीएसई के संबंध में निर्यात का विवरण तालिका 1.27 में दिया गया है।

---

[36] ***कीमत आय अनुपात (पी/ई अनुपात) वह अनुपात है जो कंपनी के मूल्य निर्धारण के लिए है जो इसकी प्रति शेयर आय के सापेक्ष वर्तमान शेयर मूल्य को मापता हैं। पी/ई अनुपात की गणनाप्रति शेयर बाजार मूल्य/प्रति शेयर आयके रूप में की जाती हैं।***

तालिका 1.27: एकाधिकार बनाम गैर-एकाधिकार सीपीएसई का बिक्री विवरण

टाइप / वर्ष	सीपीएसई की सं	कुल बिक्री	सरकारी क्षेत्र को बिक्री	निर्यात बिक्री
एकाधिकार सीपीएसई				
2016-17	61	12,15,516.4	42,842.51	36,279.5
2017-18	64	13,74,328.35	57,798.62	44,130.73
2018-19	66	16,59,394.41	64,097	74,195.2
गैर-एकाधिकार सीपीएसई				
2016-17	328	737683.95	180235.26	36473.2
2017-18	347	781999.68	176870.53	31193.81
2018-19	368	864278.14	199165.17	38383.36
ज़ोड़				
2016-17	389	1953200.35	223077.77	72752.70
2017-18	411	2156328.03	234669.15	75324.54
2018-19	434	2523671.55	263262.17	112578.56

434 सीपीएसई द्वारा, ₹25,23,673 करोड़ की कुल बिक्री के प्रति 58 सीपीएसई द्वारा निर्यात बिक्री 4.46 *प्रतिशत* थी (₹1,12,579 करोड़)। जिन सीपीएसई की निर्यात बिक्री ₹5,000 करोड़ से अधिक थी उन्हें तालिका 1.28 में दर्शाया गया हैं।

तालिका 1.28: 2018-19 के दौरान ₹ 5,000 करोड़ से अधिक की निर्यात बिक्री के साथ सीपीएसई

(₹ करोड़ में)

क्र. सं.	सीपीएसई का नाम	निर्यातबिक्री
1	मैंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड	28,009
2	इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड	24,222
3	गेल (इंडिया) लिमिटेड	8,280
4	ओएनजीसी पेट्रो एज्शिन्स परिवर्धन लिमिटेड	7,671
5	ओएनजीसी-मंगलौर पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड	7,070
6	तेल और प्राकृतिक गैस निगम लिमिटेड	6,862
7	भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड	5,227
कुल		**87,341**

इन सात सीपीएसई की निर्यात बिक्री सभी सीपीएसई के कुल निर्यात का 77.58 *प्रतिशत* है।

1.4.8 अनुसंधान एवं विकास

प्रौद्योगिकी, उत्पाद या आविष्कार का पेटेंट किसी कंपनी के अधिकार को दूसरों को इसे बनाने, उपयोग करने या बेचने से वर्जित करने में सक्षम बनाता है। यह विकास लागत को पुन प्राप्त करने और पेटेंट प्रौद्योगिकी के विकास में निवेश का रिटर्न प्राप्त करने में भी मदद करता है। पेटेंट का पंजीकरण जोखिम को सीमित करने में मदद करता है कि एक ही विचार पर विकसित तकनीक, उत्पाद या आविष्कार किसी अन्य कंपनी द्वारा प्राप्त किया जाएगा।

तालिका 1.29 पिछले तीन वर्षों के दौरान पंजीकृत पेटेंट की तुलना में सीपीएसई वार आरएंडडी के व्यय को दर्शाती है:

तालिका 1.29: आरएंडडी के व्यय औरपंजीकृत पेटेंट

2016-17		2017-18		2018-19	
आरएण्डडी व्यय (₹ करोड़ में)	पंजीकृत पेटेंट	आरएण्डडी व्यय (₹ करोड़ में)	पंजीकृत पेटेंट	आरएण्डडी व्यय (₹ करोड़ में)	पंजीकृत पेटेंट
4621.79	356	5320	339	5435	371

2018-19 के दौरान पंजीकृत 371 पेटेंट में से 31 पेटेंट का छह सीपीएसई द्वारा वाणिज्यीकरण कर दिया गया है और वर्ष 2018-19 के दौरान ₹796.65 करोड़ का राजस्व अर्जित किया जिसे नीचे दी गई तालिका 1.30 में वर्णित किया गया हैं।

तालिका 1.30: वाणिज्यीकृत पेटेंट की संख्या और अर्जित राजस्व

सीपीएसई का नाम	आरएण्डडी पर कुल व्यय (₹ करोड़ में)	पेटेंट पंजीकृत	वाणिज्यीकृत पेटेंट	पेटेंट के वाणिज्यीकृत पर अर्जित राजस्व (₹ करोड़ में)
एनएलसी इंडिया लिमिटेड	16.79	4	1	0.49
भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड	100.72	12	2	50.98
इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड	437.34	110	7	शुन्य
भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड	267.59	174	19	707.63
भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम लिमिटेड	0.79	1	1	37.26
नेशनल एल्युमिनियम कंपनी लिमिटेड	31	1	1	0.29
कुल	**854.23**	**302**	**31**	**796.65**

इसके अलावा, 2018-19 के दौरान ₹500 करोड़ से अधिक आरएंडडी व्यय वाली सीपीएसई को तालिका 1.31 में दर्शाया गया है।

तालिका 1.31: ₹500 करोड़ से अधिक आरएंडडी व्यय वाली सीपीएसई

क्र. सं.	सीपीएसई का नाम	कुल आरएण्डडी व्यय (₹ करोड़ में)	निवल लाभ (₹ करोड़में)	निवल लाख में आरएंडडी व्यय की प्रतिशतता
1	हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड	1,464	2,282	64.15
2	भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड	1,077	1,927	55.89
3	तेल और प्राकृतिक गैस निगम	583	26,716	2.18

1.4.9 विनिवेश

सीपीएसई में विनिवेश का वर्ष वार लक्ष्य और 31 मार्च 2019 को समाप्त पिछले पांच वर्षों के दौरान केंद्र सरकार द्वारा इनके प्रति वसूली गई राशि को नीचे दिए गए चार्ट में दर्शाया गया है।

चार्ट VIII: विनिवेश लक्ष्य और वास्तविक उद्ग्रहण (₹ करोड़ में)

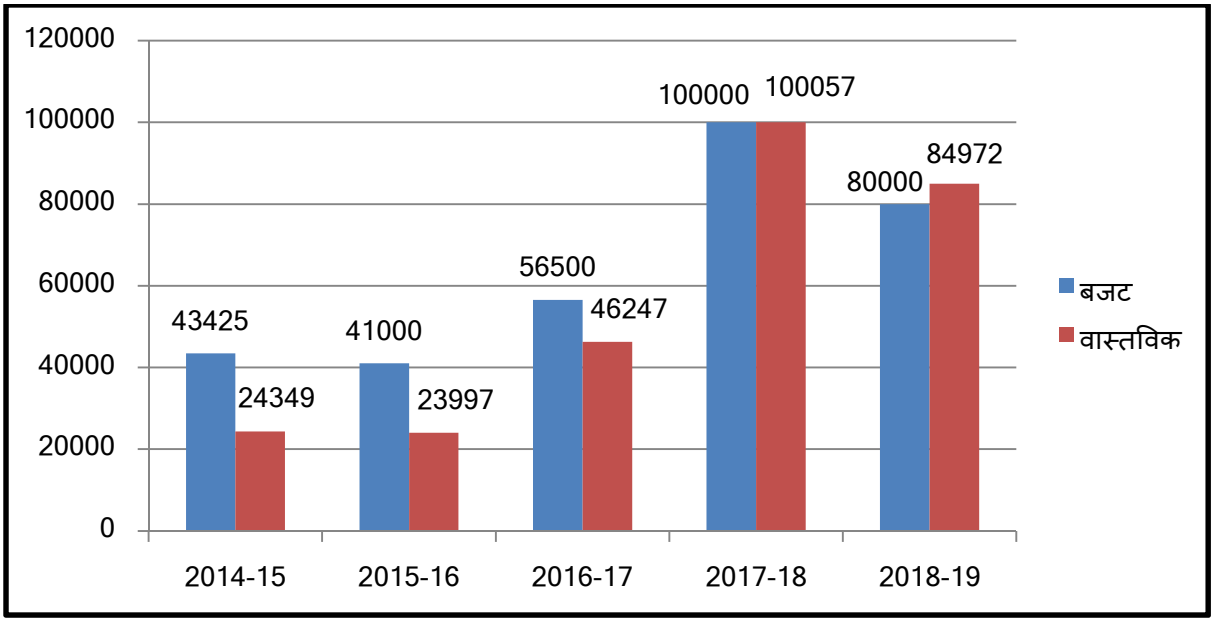

स्रोत: निवेश और सार्वजनिक संपत्ति प्रबंधन विभाग

वर्ष 2018-19 के दौरान सीपीएसई में विनिवेश पर ₹80,000 करोड़ के बजट प्राप्ति के प्रति केंद्र सरकार की वसूली गई राशि ₹84,972.16 करोड़ है। वसूली गई राशि में शामिल हैं।

(i) एक्सचेंज कारोबार कोष (ईटीएफ) से ₹45,080 करोड़ जिसमें सीपीएसई-ईटीएफ तथा भारत-22 ईटीएफ[37] शामिल है।

(ii) आईपीओ द्वारा सृजित आय से ₹1,914 करोड़,

(iii) यूनिट ट्रस्ट ऑफ इंडिया (एसयूयूटीआई)[38] निवेश के विशेष उपक्रम की रणनीतिक धारित के विनिवेश से ₹ 5,379 करोड़ और भारत के शत्रु संपत्ति अभिरक्षक(सीईपीआई)[39] की अभिरक्षा के तहत शेयरों की बिक्री के माध्यम से ₹779 करोड़।

(iv) ₹15,913.80 करोड़ की राशि रणनीतिक विनिवेश के माध्यम से वसूली गई, तथा

(v) ₹15,904.63 करोड़ की वसूली शयरों की बायबैक बिक्री तथा बिक्री के लिए प्रस्ताव (ओएफएस)[40] के माध्यम से 11 सीपीएसई में धारिता केविनिवेशसे की गई थी।

मई2016 में वित्त मंत्रालय के निवेश और सार्वजनिक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग (डीआईपीएएम) द्वारा जारी सीपीएसई के पूंजी पुनर्गठन पर दिशानिर्देशों में परिकल्पना की गई थी कि कम से कम ₹ 2,000 करोड़ की कुल संपत्ति और ₹1,000 करोड़ से अधिक का नकद और बैंक शेष वाली प्रत्येक सीपीएसई के अपने शेयरों के बायबैक के विकल्प देना चाहिए। हालाँकि, मझगांव डॉक लिमिटेड और जनरल इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया ने इन दिशानिर्देशों का अनुपालन नहीं किया था।

दिशानिर्देशों में आगे यह परिकल्पना की गई थी कि प्रत्येक सीपीएसई को बोनस शेयर जारी करना चाहिए, यदि इसका निर्धारित भंडार और अधिशेष इसकी प्रदत्त इक्विटी शेयर पूंजी के 10 गुना के बराबर या उससे अधिक था। हालाँकि, इन दिशानिर्देशों (30 सितंबर 2019) का पालन न करने वाली सीपीएसई को तालिका 1.32 में दर्शाया गया है।

---

[37] ईटीएफएक स्टॉक का समूह है जो एक सूचकांक जैसे निफ्टी 501 की संरचना को दर्शाता है,सरकार दो ईटीएफ-(i) सीपीएसई-ईटीएफ जिसमें 11 सीपीएसई स्टॉक है तथा (ii) भारत-22 ईटीएफ जिसमें 16 सीपीएसई स्टॉक है को प्रचालित करती है।

[38] एसयूयूटीआई का गठन यूटीआई ट्रस्टी कंपनी प्राइवेट लिमिटेड में पूर्ववर्ती यूनिट ट्रस्ट ऑफ इंडिया (यूटीआई) के पुनर्गठन द्वारा किया गया था। यह यूनिट ट्रस्ट ऑफ इंडिया (उपक्रमों का अंतरण और निरसन) अधिनियम, 2002 के पारित होने पर 1 फरवरी 2003 से लागू हुआ। एसयूयूटीआई को निरस्त अधिनियम की अनुसूची I में उल्लिखित योजनाओं के प्रबंधन की जिम्मेदारी सौंपी गई है । 2018-19 के दौरान, एक्सिस बैंक के शेयरों में ₹5,379 करोड़ की ऑफ लोडिंग राशि थी।

[39] पहली बार, सीईपीआई के तहत शेयरों को दैनिक आधार पर एक सुनियोजित ड्रिबलिंग तंत्र के माध्यम से बेचा गया था।

[40] ओएफएस:ऑफ़रफॉरसेल (ओएफएस) एक सेगमेंट है जिसमें प्रमोटर/प्रमोटर ग्रुप एंटिटी/नॉन प्रमोटर एक्सचेंज के बिडिंग प्लेटफॉर्म के माध्यम से पारदर्शी तरीके से शेयर बेच सकते हैं ।

तालिका 1.32: जिन सीपीएसई ने बोनस शेयर जारी करने पर इन दिशा निर्देशों का अनुपालन नहीं किया

क्र. सं.	सीपीएसईकानाम	प्रदत्त पूंजी	परिभाषित आरक्षण	टिप्पणियाँ
		31 मार्च 2019 का (₹ करोड़ में)		
1	बीईएमएल लिमिटेड	41.77	2095.19	रणनीतिक विनिवेश प्रक्रिया के तहत
2	मझगांव डॉक लिमिटेड	224.10	2581.74	मांगी गई छूट के लिए अनुमोदन
3	इस्टर्न इन्वेस्टमेट लिमिटेड	1.44	243.00	मांगी गई छूट के लिए अनुमोदन
4	भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड	1966.88	34072.34	रणनीतिक विनिवेश प्रक्रिया के तहत
5	शिपिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड	465.8	6363.36	--
6	एंट्रिक्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड	6.80	1471.60	--
7	कर्नाटक एंटीबायोटिक्स एंड फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड	13.49	179.57	--